दैनिक
छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 324 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

शुक्रवार 27 फरवरी 2026 डाक-शनिवार 28 फरवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में छिंड़ी जंग, तालीबान का दावा- पाक के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया

पाक,27 फरवरी (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। अफगानिस्तान के प्रमुख मीडिया संस्थान 'टोलो न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, अफगान सेना ने अपने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने वाले एक पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमान को निशाना बनाकर गिरा दिया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि संबंधित विमान अफगान एयरस्पेस में दाखिल हुआ था, जिसके बाद कार्रवाई की गई। इस घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक जलते हुए विमान के मलबे की तस्वीर और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन पोस्ट्स में दावा किया जा रहा है कि यह वही पाकिस्तानी एफ-16 जेट है, जिसे अफगान सेना ने मार गिराया। हालांकि, अब तक पाकिस्तान की तरफ से इस पूरे मामले में कोई आधिकारिक बयान या पुष्टि सामने नहीं आई है। वहीं, वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

देश में आतंकी हमले का खतरा...कश्मीर-दिल्ली में रेकी, आरडीएक्स का अलर्ट

सुरक्षा एजेंसियों को मिला बड़ा इनपुट

नई दिल्ली ,27 फरवरी (एजेंसी)। भारत में आतंकी बड़ा हमला करने की फिराक में हैं। कश्मीर से लेकर दिल्ली तक कई धार्मिक स्थल निशाने पर हैं। वीपीआई स्पॉट और सेना भी टारगेट लिस्ट में हैं। फरवरी में महज 20 दिन के अंदर सुरक्षा एजेंसियों को इसके इनपुट मिले हैं। इसके मुताबिक, 10 फरवरी को होने वाला बड़ा हमला टाला जा चुका है, लेकिन खतरा अब भी बरकरार है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से आतंकी एक्टिविटीज बढ़ी हैं। आतंकियों का नेटवर्क पाकिस्तानी कैंपों और बांग्लादेश रूट से ऑपरेट हो रहा है। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा कश्मीर और दिल्ली के आसपास हमले की तैयारी में है। आतंकियों के पास 15-20 किलो आरडीएक्स और आईईडी होने के इनपुट हैं। 5 आतंकी पाकिस्तान से भारत में घुस चुके

हैं। कुछ स्लीपर सेल बांग्लादेश लिंक से ऑपरेट कर रहे हैं।

8 फरवरी को जम्मू-कश्मीर में खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला, जो लश्कर-ए-तैयबा की धमकी से जुड़ा था। इसके मुताबिक, लश्कर के आतंकी आईईडी ब्लास्ट की तैयारी में हैं। ये ब्लास्ट कश्मीर के नरबल से पट्टन या कुंजर से नरबल के रास्ते में हो सकता है। इस धमाके के लिए आतंकी 15 से 20 किलो आरडीएक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये हमला सेना के काफिले पर भी हो सकता है।

18 फरवरी के इनपुट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद ने ओवरग्राउंड नेटवर्क एक्टिव कर दिया है। इसके लोगों ने हाल ही में जम्मू से कश्मीर को जोड़ने वाली काजीगुंड टनल की रेकी की है। इसमें 10 आतंकियों के दो अलग-अलग ग्रुप साजिश रच रहे हैं। आतंकी फिरदौस अहमद भट्ट रिमोट आईईडी के जरिए सुरक्षा बलों को टारगेट कर रहा है। सुरक्षा बलों के वाहनों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

8 से 20 फरवरी के बीच अलग-अलग इनपुट मिले। इसमें से एक इनपुट लश्कर-ए-तैयबा के बारे में है। इसके मुताबिक, आतंकी भारत के बड़े शहरों को निशाना बना सकते हैं। दिल्ली में चांदनी चौक के आसपास के मंदिर निशाने पर हैं। पुरानी दिल्ली भी टारगेट पर है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद पर 6 फरवरी को हुए हमले के बाद भारत में अटैक की साजिश है।

खुफिया एजेंसियों को मिले अलर्ट में दो ज्यादा संवेदनशील हैं। पहला, जम्मू से कश्मीर के बीच काजीगुंड टनल की रेकी और दूसरा 15-20 किलो आरडीएक्स के जरिए किसी हाईवे या सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की साजिश।

दिल्ली शराब घोटाले में केजरीवाल-मनीष सिसोदिया बरी, कोर्ट ने कहा- बिना सबूत आरोप साबित नहीं होते

नई दिल्ली ,27 फरवरी (एजेंसी)। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के दोनों शीर्ष नेताओं को बरी कर दिया।

शुक्रवार को अदालत में सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पेश हुए। के कविता, अमनदीप ढल और कई अन्य आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। इस दौरान, जज ने हर वकील का धन्यवाद किया और अपना फैसला सुनाया।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला देते हुए कथित शराब घोटाला से जुड़े सीबीआई केस में सभी 23 आरोपियों को बरी किया। कोर्ट ने जांच में कमियों के लिए सीबीआई को कड़े शब्दों में फटकार लगाई और कहा कि आबकारी नीति में कोई बड़ी साजिश या क्रिमिनल इरादा नहीं था। कोर्ट ने सीबीआई की चार्जसीट पर सवाल उठाए और कहा कि इसमें कई कमियां हैं, जिनका किसी गवाह या बयान से कोई सबूत नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला न्यायिक जांच में टिक नहीं पाया, क्योंकि सीबीआई ने महज अनुमान के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की।

सीबीआई की तरफ से कंफेशनल स्टेटमेंट की कॉपी जमा नहीं किए जाने पर जज जीतेंद्र सिंह ने नाराजगी व्यक्त की। चार्जशीट में 'साउथ लॉबी' शब्द के इस्तेमाल पर भी अदालत ने आपत्ति जताई।

यह मामला दिल्ली सरकार की 2021-22 की आबकारी (शराब) नीति से जुड़ा है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। दिल्ली के मुख्य सचिव रहे नरेश कुमार की रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। बाद में सीबीआई ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया। 21 मार्च 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लंबी पूछताछ के बाद अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 26 जून को सीबीआई ने उन्हें जेल से ही हिरासत में ले लिया।

रॉन्ग साइड आकर ट्रेलर ने स्कॉर्पियो को टक्कर मारी,4 मौतें

गाड़ी काटकर शव निकाले; बिलासपुर में सालगिरह मनाकर लौट रहा था परिवार

बिलासपुर ,27 फरवरी (एजेंसी)। बिलासपुर में रायपुर-रतनपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम सम्बलपुरी स्थित यादव ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रेलर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घायल को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चारों मृतक एक ही परिवार के हैं।

देर रात करीब 2 बजे ट्रेलर (सीजी 11 बीडी 9044) सकरी-रतनपुर की ओर से रायपुर जा रहा था। इसी दौरान ट्रेलर अनियंत्रित होकर रॉन्ग साइड में पहुंच गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो (सीजी 04 एमक्यू 4220) को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर पास में खड़े एक अन्य ट्रेलर को भी अपनी चपेट में लेते हुए पलट गया। स्कॉर्पियो बुरी तरह डैमेज हो गई और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस मौके पर पहुंची। वाहन में फंसे लोगों को निकालने के लिए गैस कटर का सहारा लिया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया, तब तक चार लोगों की मौत हो चुकी थी।

चंडीगढ़ में बम की धमकी से मचा हड़कंप: कई स्कूल और पंजाब सचिवालय निशाने पर, सुरक्षा बढ़ाई

चंडीगढ़ ,27 फरवरी (एजेंसी)। शुक्रवार सुबह शहर में उस समय हड़कंप मच गया जब ईमेल के जरिए कई शिक्षण संस्थानों और एक सरकारी भवन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी भरे मेल में डीपीएस स्कूल, संत कबीर स्कूल और विवेक हाई स्कूल (सेक्टर-38) के साथ-साथ पंजाब सचिवालय को निशाना बनाने की बात कही गई है। मेल में अगले दो दिनों के भीतर विस्फोट करने की चेतावनी भी दी गई।

सूचना मिलते ही संबंधित स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को अवगत कराया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। एहतियातन सभी स्कूल परिसरों को खाली करा लिया गया। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमें पहुंचीं। सुरक्षा बलों ने स्कूल परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया।

प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सचिवालय परिसर में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है तथा आने-जाने वालों की सख्त जांच की जा रही है।

मामले की जांच पुलिस की साइबर सेल कर रही है, जो ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों ने अभिभावकों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध सूचना की तुरंत पुलिस को जानकारी दें। गौरतलब है कि करीब एक माह पूर्व भी शहर के लगभग 30 स्कूलों को इसी प्रकार ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय भी व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया था, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

लगातार मिल रही ऐसी धमकियों से अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन में चिंता का माहौल है। पुलिस पुराने मामलों की भी जांच कर रही है ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि इन घटनाओं के पीछे किसी एक व्यक्ति या गिरोह का हाथ तो नहीं है। प्रशासन ने साफ किया है कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है तथा अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

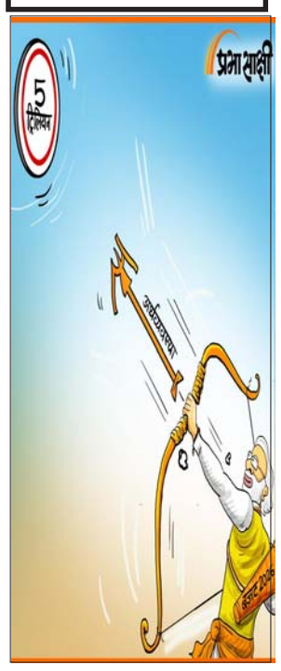

यूपी-बिहार से लेकर मप्र और राजस्थान तक पारा 30 के पार, पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसी)। फरवरी के आखिरी सप्ताह में मौसम में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी के साथ गर्मी अपना असर दिखाना शुरू कर रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के कई शहरों में तापमान 30एष्ट के पार चला गया है। वहीं, आज कई राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। गुजरात और महाराष्ट्र के तापमान में भी इजाफा देखने को मिलेगा। इस बीच मौसम विभाग ने आज, यानी 27 फरवरी को 6 राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। अगर बात करें दिल्ली एनसीआर के मौसम की तो यहां तेज हवाओं के कारण लोगों को प्रदूषण से काफी हद तक राहत मिली है। दिन में धूप खिली रहेगी। यहां 27 फरवरी को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री तथा 28 फरवरी को अधिकतम 32 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

कोडीन सीरप तस्करी के सरगना विनोद अग्रवाल की कानपुर में 9.50 करोड़ की संपत्ति फ्रीज, बेटा फरार

कानपुर, 26 फरवरी (एजेंसी)। जेल में बंद कोडीनयुक्त सीरप विक्रेता गिरोह के सरगना विनोद अग्रवाल व उसकी पत्नी सविता और बेटे शिवम के नाम की 9.50 करोड़ की पांच संपत्तियां एसआइटी ने फ्रीज कर दीं।

इसके अलावा 23 लाख की एक इनोवा क्रिस्टा कार और यहां छह बैंक खातों में मिले 42 लाख रुपये भी फ्रीज किए गए।

सरगना और उसके परिवार की इन्हीं पांच संपत्तियों को 12 फरवरी को वाराणसी पुलिस ने भी फ्रीज किया था, जिनकी कीमत 4.80 करोड़ रुपये दिखाई थी जबकि वहां की पुलिस ने विनोद की फर्म के नाम के बैंक खाते में मिले 37,42,995 रुपये भी फ्रीज कराए थे।

एसआइटी के इंस्पेक्टर कमलापति यादव का कहना है कि सर्किल रेट से बाजार का भाव दोगुणा माना जाता है, इसीलिए संपत्तियों की कीमत बढ़ी मानी जा रही है। एसआइटी अब शिवम की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि औषधि की आड़ में एनडीपीएस श्रेणी से संबंधित कोडीनयुक्त सीरप व नशीली दवाएं खरीदने-बेचने के मामले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने छापेमारी कर एक लाख शीशी बरामद की थीं। जांच में यह भी सामने आया कि लगभग 20 लाख शीशी बिक्री की गई थी, जिसमें 11.50 लाख शीशियां पुलिस बरामद भी कर चुकी है।

एसबीआई में 2.6 करोड़ की हेराफेरी, घोटाले के बाद लापता थी महिला कैशियर, मुखबिर की सूचना पर एसीबी ने किया अरेस्ट

बिलासपुर , 26 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने बिलासपुर जिले में एक राष्ट्रीयकृत बैंक की निलंबित महिला अधिकारी को दो करोड़ रुपये से अधिक का गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला भारतीय स्टेट बैंक बिल्हा शाखा में कैशियर के रूप में पदस्थ थी। महिला कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा ने 2,06,37,600 रुपये का गबन करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

महिला कैशियर के गिरफ्तारी की जानकारी गुरुवार को पुलिस अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों ने बताया कि एसबीआई के बिल्हा शाखा के प्रबंधक ने शिकायत की थी कि 19 दिसंबर 2024 से दो जनवरी 2025 के बीच बैंक कैशियर और अन्य कर्मचारियों ने बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर 2,06,37,600 रुपये का गबन किया। उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने बैंक की तत्कालीन कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था।

अधिकारियों ने बताया कि स्टेट बैंक द्वारा विभागीय स्तर पर की गई जांच में भी थीरापतम्मा और अन्य के खिलाफ आर्थिक अनियमितता के सबूत मिले थे। इसके बाद थीरापतम्मा को निलंबित कर दिया गया था। इस दौरान उसे रिजनल बिजनेस ऑफिस जगदलपुर में अटैच कर दिया गया। जून 2025 में निलंबन के बाद कैशियर ने जगदलपुर में जॉइन नहीं किया और वह बिल्हा ऑफिस भी नहीं आई। इसके बाद से वह ऑफिस से गायब थीं। अधिकारियों ने बताया कि एसीबी बिलासपुर की टीम पिछले कुछ दिनों से थीरापतम्मा की तलाश कर रही थी। अधिकारियों ने बताया कि थीरापतम्मा के बृहस्पतिवार को बिल्हा स्थित स्टेट बैंक में गोपनीय रूप से आने की सूचना मुखबिर से प्राप्त होने के बाद उसे एसीबी बिलासपुर की टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

मस्तूरी गोलीकांड में फरार चल रहे कांग्रेस नेताओं पर पांच हजार का इनाम, नौ आरोपी जेल में

बिलासपुर, 26 फरवरी (एजेंसी)। मस्तूरी में जनपद उपाध्यक्ष और उनके साथियों पर फायरिंग के मामले में फरार चल रहे कांग्रेस नेता नागेंद्र राय और टाकेश्वर पाटेल पर पुलिस ने पांच-पांच हजार इनाम की घोषणा की है। इसके साथ ही चकरभाठा क्षेत्र में गायब नाबालिग के मामले में जानकारी देने वालों को भी पांच हजार का इनाम दिया जाएगा।

बता दें कि मस्तूरी जनपद उपाध्यक्ष नितेश सिंह अपने रिश्तेदारों और परिचित के साथ 28 अक्टूबर 2025 की शाम नहर चौक के पास बैठे थे। तभी बाइक सवार बदमाशों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान नितेश सिंह ने भी अपने लाइसेंसी पिस्टल से जवाबी फायरिंग की थी। दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चली। दूसरी

ओर से फायरिंग होते देख बाइक सवार बदमाश भाग निकले। मामले की जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपित विश्वजीत अनंत समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में कांग्रेस नेता अकबर खान और विश्वजीत अनंत समेत सभी नौ आरोपी अभी जेल में है।

वहीं, कांग्रेस नेता नागेंद्र राय और टाकेश्वर पाटले अब भी फरार है। मस्तूरी पुलिस ने आरोपित के सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दी है। फरार कांग्रेस नेता के रिश्तेदारों से भी कई बार पूछताछ की गई है। इसमें कांग्रेस नेताओं का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

वाह वाह

०० पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...

बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।

बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

जिले में हो रही एप्पल और कश्मीरी बेर की खेती

6 महीने में तैयार हो जाती है फसल, मुनाफा भी ज्यादा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में पारंपरिक खेती से अलग हटकर अब किसान नए फसल पर हाथ आजमा रहे हैं। धान के अलावा अब किसान फूल, सब्जी और फलों की खेती पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कोरबा जिले में भी ऐसे किसानों की कोई कमी नही है। मौजूदा समय में कोरबा में सेब के आकार जितने बेर का उत्पादन हो रहा है। इस बेर की दो किस्में होती है जिसमें पहली किस्म एप्पल बेर और दूसरी कश्मीरी बेर है।

ये दोनों किस्म कोरबा में उगाए जा रहे हैं। ये बेर खाने में ज्यादा खट्टे नहीं होते, इनका स्वाद मीठा होता है

इस वजह से लोग इसे खूब पसंद करते हैं। सामान्य तौर पर एप्पल बेर की आवक गर्म तापमान वाले राज्यों से छत्तीसगढ़ में होती है, लेकिन अब कोरबा में भी इसकी खेती शुरू हो गई है। एप्पल बेर की खेती के विषय में किसानों को उद्यानिकी विभाग से जानकारी मिली। एप्पल बेर कम पानी और बेहद कम मेहनत में उगाया जा सकता है। 6 महीने में फसल तैयार हो जाती है. मुनाफा भी काफी अधिक होता है।वनांचल क्षेत्र करतला के कुछ किसानों ने इसकी फसल लगाई है। पहली खेप में ही 100 किलो से अधिक का उत्पादन हुआ है। जिससे किसान उत्साहित हैं, तो उद्यानिकी विभाग भी इस फसल को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। करतला क्षेत्र के गांव कटबितला के किसान कहते हैं कि एप्पल बेर की खेती की शुरुआत की है। इसकी फसल अब तैयार हो चुकी है, उद्यानिकी विभाग से प्रशिक्षण मिला था। पौधे भी प्रदान किए गए थे। हाल फिलहाल में 100 किलो का उत्पादन हुआ है। इसका अच्छा खासा दाम भी मार्केट में मिला है। 120 रुपए प्रति किलो की दर से इसे बेचा था। इसका फसल उगाना काफी आसान है। पानी भी अधिक नहीं लगता और मेहनत भी कम लगती है। उत्पादन अच्छा हो रहा है, किसानों को इस तरह की फसल उगानी चाहिए। इसे और भी व्यवस्थित ढंग से पैदा करने का प्लान है ।पहले तो कोरबा और आसपास के इलाकों में एप्पल बेर बाहर से ही आता था, लेकिन अब कोरबा जिले में इसकी खेती की शुरुआत की गई है। कुछ किसानों ने इसकी खेती की है। उत्पादन भी अच्छा खासा हुआ है। मार्केट में डिमांड अधिक है। इसकी वजह से एप्पल बेर के अच्छे दाम भी मार्केट में मिल रहे हैं। एप्पल बेर की खेती कोरबा में अब तक नहीं होती थी। अभी इसकी शुरुआत है, इसलिए किसान अधिक से अधिक मुनाफा ले सकते हैं। किसान ने इसका प्रशिक्षण प्राप्त किया है। तकनीक सीख कर अब वह खुद ही इसका उत्पादन कर रहे हैं। योजना के तहत उन्हें सब्सिडी भी प्रदान की गई है।

कोयले से आगे बढ़ी कोल इंडिया, लिथियम कोबाल्ट खनन में कंपनी रखेगी कदम

पावर सेक्टर में निवेश व स्वच्छ ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर विशेष फोकस

कोरबा (छ.ग.गौरव)। देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया अब पारंपरिक कोयला खनन से आगे बढ़ते हुए ऊर्जा और खनिज क्षेत्र में व्यापक विस्तार की तैयारी में है। कंपनी लिथियम और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के खनन, पावर सेक्टर में निवेश विस्तार तथा स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर विशेष फोकस करने जा रही है। इसे बदलती ऊर्जा जरूरतों और भविष्य की कारोबारी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, कंपनी की कार्ययोजना में उच्च राख (हाई ऐश) वाले कोयले के बेहतर उपयोग पर जोर दिया गया है। इसके तहत कोयले को सिंथेसिस गैस, अमोनियम नाइट्रेट और मिथनॉल जैसे वैल्यू ऐडेड उत्पादों में बदलने की दिशा में पहल होगी। इसके लिए कंपनी गेल, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ साझेदारी में परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है। ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण समय की मांग है। स्वच्छ ऊर्जा, गैसीकरण और नये खनिज क्षेत्रों में निवेश से न केवल कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। कोल इंडिया बिजली उत्पादन क्षेत्र में भी अपनी मौजूदगी मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। कोयला खदानों के आसपास नये पावर प्लांट स्थापित करने और मौजूदा संयंत्रों की क्षमता विस्तार की योजना तैयार की जा रही है।

क्यों जरूरी है विविधीकरण

विशेषज्ञों का मानना है कि ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव, स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग और आयातित खनिजों पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता को देखते हुए यह कदम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। लिथियम, कोबाल्ट और तांबा जैसे क्रिटिकल मिनरल्स इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बेहद अहम हैं। ऐसे में इन खनिजों की खोज और खनन कंपनी की दीर्घकालिक योजना का अहम हिस्सा बनता जा रहा है।

क्लीन एनर्जी और केमिकल सेक्टर पर भी ध्यान

कंपनी की रणनीति में कोयला गैसीकरण, सौर ऊर्जा उत्पादन और रसायन आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा देना शामिल है। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने, आय के स्त्रोतों में विविधता लाने और आयात निर्भरता घटाने में मदद मिलने की संभावना है। नए प्रोजेक्ट्स और ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए कोरबा पुलिस की पहल

मैत्री व्हाट्सएप मोबाइल नंबर 9479282100 पर की जा सकती है शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा प्रदान करना और उनके लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। कई बार उत्पीड़न की घटनाओं में पीड़िताएँ लोक-लज्जा एवं झिझक के कारण थाना या चौकी जाकर शिकायत करने में संकोच करती हैं, जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की आशंका बनी रहती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस कोरबा ने महिलाओं एवं बालिकाओं को बिना थाना पहुँचे ही तत्काल सहायता प्रदान करने और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सजग कोरबा-सतर्क कोरबा' अभियान के तहत 'मैत्री' व्हाट्सएप हेल्पलाइन प्रारंभ की है।

इस हेल्पलाइन का मोबाइल नंबर 9479282100 है, जिसके माध्यम से कोई भी पीड़ित महिला या बालिका उत्पीड़न, छेड़छाड़, धमकी या किसी भी प्रकार की त्रासदी की शिकायत सीधे दर्ज करा सकती है। हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत से संबंधित शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर एवं ऐसी कोई भी जानकारी, जिससे पीड़िता की पहचान उजागर हो, पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। यह पहल महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, सरल और गोपनीय माध्यम उपलब्ध कराती है, जिससे वे बिना किसी भय या संकोच के सहायता प्राप्त कर सकें।

जिला पुलिस कोरबा द्वारा सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों में इस हेल्पलाइन नंबर के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा की जानकारी प्राप्त कर सकें और जरूरतमंद पीड़िताएँ तुरंत इसका लाभ ले सकें।

हाई स्कूल सामाजिक विज्ञान परीक्षा: जिले के 19 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण, सभी केन्द्रों में शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा संचालित परीक्षा वर्ष 2026 के अंतर्गत आज हाई स्कूल परीक्षा विषय सामाजिक विज्ञान (300) की परीक्षा आयोजित की गई। कोरबा में जिला स्तरीय निरीक्षण दलों द्वारा कुल 19 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल क्रमांक 1 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक बालको, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या बालको, अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालको, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अजगरबहार, दल क्रमांक 2 द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोढ़ी, भैसमा, नोनबिर्रा, सेन्दीपाली, रामपुर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोतली का निरीक्षण किया गया। दल क्रमांक 4 द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लेमरू एवं अजगरबहार का निरीक्षण किया गया। दल क्रमांक 5 द्वारा सेजेस तिवरता, चैतमा, माखनपुर, मुनगाडीह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकसाही और रिजर्व दल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिरमिना, सेजेस कोरबी, चोटिया का निरीक्षण किया गया ।

निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक परीक्षा संचालित होना पाया गया। किसी भी परीक्षा केन्द्र पर नकल की कोई घटना दर्ज नहीं हुई।

दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या 12,425 रही, जिनमें से 12,069 विद्यार्थी उपस्थित थे और 356 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपके अंदर अध्यात्म के प्रति लगाव उत्पन होगा। आप अपने ज्ञान और कार्य कौशल पर अधिक काम कर पायेंगे। आपके व्यापार में ग्रोथ होने की संभावना बढ़ेगी। आप किसी भी नई जिम्मेदारी को बेहतरीन तरीके से निभाएंगे। किन्हीं कारणों से खर्च बढ़ेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। अपने आपको साबित करने का मौका मिलेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे जातक अच्छी सफलता पायेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी रहेगी। पैसे संबंधी मामलों में किसी अन्य पर विश्वास करने से बचें।

मिथुन राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आपकी रचनात्मक समझ बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में आप सक्रिय नजर आएंगे। मांगलिक कार्यों में खर्च होने के योग हैं। आपको आपके व्यवसाय में बड़े सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। जिससे आपको अच्छे धन लाभ की संभावना बढ़ेगी। इस दौरान डील करने से पहले अच्छे से विचार कर लें।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। आप फाइनेंस से जुड़े बड़े निर्णय ले सकते हैं। सौन्दर्य प्रसाधन का कारोबार करने वाले लोगों को बड़ा आर्डर मिलेगा। आप कार्य क्षेत्र और घर के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने जायेंगे।

सिंह राशि : आज आप फिट और उत्साहित महसूस करेंगे। कुछ बड़े आर्डर मिलने से आपका व्यापार बढ़ेगा। आपके इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपको शुभ समाचार मिलने के योग हैं। सरकारी जॉब मिलने की संभावना है। आपको आपके सीनियर्स का साथ मिलेगा। आपके कार्यों की सराहना होगी। आपके कलीग्स कुछ समस्याएं खड़ी कर सकते हैं। यदि आप कहीं इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो ठीक से जांच परख लें।

कन्या राशि : आज आपको बेहतर अवसर मिलेंगे। आपको नौकरी में अच्छे अवसर के साथ बदलाव के योग हैं। व्यापारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए दिन अच्छा है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए ऑफर मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

तुला राशि : आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आ रही चुनौतियों में कमी आएगी पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा। आज आपको आपकी काबिलियत से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। नौकरी में बदलाव के योग हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। एक से अधिक स्त्रोतों से धन लाभ की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में प्रगाढ़ता आएगी, आपसी तालमेल बना रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। इस दौरान आमदनी के साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। संतान की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। यह संतान के विवाह संबंधी भी हो सकती है। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा। आज आप ऑफिस में होने वाली राजनीति से दूर रहे। धन से जुड़े मामलों में आज जीवनसाथी का साथ मिलेगा। आज आप अचल संपत्ति खरीदने का सोच सकते हैं।

धनु राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको खास उपलब्धि मिलेगी। आपके सोचने समझने की क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान आपको आलस से बचना होगा। साझेदारी में काम कर रहे व्यापारियों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज आपका उत्साह बढ़ेगा। किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों की सलाह लेंगे। इससे आपको फायदा होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के सहयोग से अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करेंगे। आज घर में बेटी की तरक्की से परिवार का माहौल खुशी से भरा रहेगा। फार्मिंग का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। सामाजिक व राजनीतिक कामों में आपका मन लगेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके दाम्पत्य रिश्ते में सुधार आएगा। जीवनसाथी के लिए पसंदीदा उपहार खरीदेंगे। आज आप कहीं बाहर घूमने जा सकते है जहाँ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आपके अन्दर कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आज आपके व्यवहार से पारिवारिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। अनुभवी लोंगो की सलाह से आप अपने व्यापार को आगे ले जाने में कामयाब रहेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज धन लाभ के साथ-साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। आज ऑफिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। आप संयम के साथ परेशानी से बाहर निकल पाएंगे। आपको अचानक धन लाभ होने के योग हैं। आज आप अपने पारिवारिक जीवन में आनंद महसूस करेंगे। इस दौरान आप अपने को शांत रखने की कोशिश करेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है।

बायो गैस संयंत्र स्थापना का मार्ग हुआ प्रशस्त, दो वर्ष के अंदर प्रारंभ हो जाएगा बायो गैस का उत्पादन

महापौर संजूदेवी राजपूत एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत की उपस्थिति में किया गया एम.ओ.यू.

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा के बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट बायो गैस संयंत्र स्थापना का मार्ग अब प्रशस्त हो चुका है, आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत की विशेष उपस्थिति में संयंत्र स्थापना हेतु नगर पालिक निगम कोरबा, सी.जी. बायोफ्यूल व गेल इंडिया के मध्य एम.ओ.यू. सम्पन्न किया गया। निगम की ओर से आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सी.जी. बायोफ्यूल से सी.ई.ओ. सुमित सरकार एवं गेल इंडिया से महाप्रबंधक किशोर कुमार ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किया।

निगम के स्वच्छता अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत शहर से उत्सर्जित गीले कचरे से बायो गैस का निर्माण करने के निगम के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट बायो गैस संयंत्र की स्थापना का कार्य अब धरातलीय स्तर पर साकार होने जा रहा है। यहॉ उल्लेखनीय है कि नगर निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत प्रतिदिन डेढ़ सौ टन से ज्यादा कचरे का उत्सर्जन होता है, जिसमें औसतन 50 से 65 टन गीला कचरा होता है, इस बड़ी मात्रा में प्रतिदिन उत्सर्जित होने वाले गीले कचरे का समुचित प्रबंधन एवं डिस्पोजल एक बड़ी समस्या है। निगम द्वारा गीले कचरे के डिस्पोजल व प्रबंधन के मद्देनजर बायो गैस संयंत्र की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ाया गया तथा इस हेतु छत्तीसगढ़ बायो फ्यूल डेवलपमेंट अथारिटी रायपुर एवं गेल इंडिया लिमिटेड दिल्ली से संपर्क कर संयंत्र स्थापना की कार्यवाही आगे बढ़ाई गई, अब उक्त प्रोजेक्ट में धरातलीय स्तर पर कार्य होगा। आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत की विशेष उपस्थिति में संयंत्र स्थापना हेतु नगर पालिक निगम कोरबा, सी.जी. बायोफ्यूल व गेल इंडिया के मध्य एम.ओ.यू. सम्पन्न किया गया। निगम की ओर से आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सी.जी. बायोफ्यूल से सी.ई.ओ. सुमित सरकार एवं गेल इंडिया से महाप्रबंधक किशोर कुमार द्वारा एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये।

बायो गैस के साथ जैविक खाद भी - बायो गैस संयंत्र स्थापना से एक ओर जहॉ शहर में प्रतिदिन भारी मात्रा में उत्सर्जित गीले कचरे के प्रबंधन व डिस्पोजल करने की निगम की एक बड़ी समस्या दूर होगी, कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित हो सकेगा, वहीं दूसरी ओर गीले कचरे से बायो गैस तैयारी की जाएगी, जिसे ईंधन के रूप में उपयोग में लाया जा सकेगा, वहीं बायो गैस उत्पादन के साथ-साथ जैविक खाद का भी उत्पादन होगा, जिसका उपयोग कृषि, बागवानी जैसे कार्यो हेतु किसानों द्वारा किया जा सकेगा।

बरबसपुर में बनेगा संयंत्र - ग्राम बरबसपुर में स्थित शासकीय भूमि में निगम को आबंटित जमीन पर बायो गैस संयंत्र की स्थापना की जाएगी, संयंत्र स्थापना हेतु उक्त जमीन को सुरक्षित कर लिया गया है, आज एम.ओ.यू. सम्पन्न होने के पश्चात अब प्रोजेक्ट पर कार्य प्रारंभ हो जाएगा तथा अधिकतम 24 माह की समयसीमा में संयंत्र कार्य करना प्रारंभ कर देगा।

कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को खाते में दी जाएगी राशि

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़शासन की महत्वाकांक्षी कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत कोरबा जिले के अन्नदाताओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। जिले में धान बेचने वाले किसानों को योजना का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरित किया जाएगा। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कोरबा जिले के कुल 43 हजार 681 किसानों ने अब तक इस योजना का लाभ उठाया है। योजना के सफल क्रियान्वयन के फलस्वरूप, जिले में कुल 27 लाख 47 हजार 101.20 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है, जिसके एवज में किसानों के खातों में 20 हजार 081.31 लाख रुपये (लगभग 200.81 करोड़ रुपये) की बड़ी राशि हस्तांतरित की जाएगी।

विकासखंडवार आंकड़ों पर नज़र डालें तो करतला विकासखंड इस योजना का लाभ लेने में सबसे आगे रहा है, जहाँ 13 हजार 358 किसानों ने 09 लाख 82 हजार 873.20 क्विंटल धान बेचकर 07 हजार 184.80 लाख रुपये की राशि, पाली विकासखंड में 10 हजार 157 किसानों को 05 लाख 53 हजार 834.80 क्विंटल धान के बदले 04 हजार 048.54 लाख रुपये का भुगतान, पोड़ीउपरोड़ा विकासखंड में 07 हजार 649 किसानों को 04 लाख 53 हजार 565.20 क्विंटल धान के एवज में 03 हजार 315.54 लाख रुपये का तथा कोरबा विकासखंड के 07 हजार 068 किसानों को 04 लाख 74 हजार 294 क्विंटल धान हेतु 03 हजार 467.10 लाख रुपये और कटघोरा विकासखंड के 05 हजार 449 किसानों को 02 लाख 82 हजार 534 क्विंटल धान के लिए 02 हजार 065.33 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

प्रगणक एवं पर्यवेक्षक की भूमिका, उत्तरदायित्व सहित प्रशिक्षण प्रबंधन की दी गई जानकारी

जनगणना 2027- राष्ट्रीय प्रशिक्षक ने चार्ज अधिकारियों को दिया विस्तृत प्रशिक्षण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिले में जिला स्तरीय प्रशिक्षण के दूसरे दिन आज जनगणना निदेशालय के संयुक्त निदेशक अशोक मिश्रा एवं राष्ट्रीय प्रशिक्षक तथा मास्टर ट्रेनर कैलाश पांडे ने जिले के सभी चार्ज अधिकारियों (तहसीलदारो) को प्रशिक्षण प्रबंधन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की।

सत्र के दौरान संयुक्त निदेशक द्वारा सीएमएमएस पोर्टल में दर्ज की जाने वाली सभी प्रविष्टियों की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया। उन्होंने प्रशिक्षण बैच तैयार करने, शेड्यूल निर्माण, सभी तहसीलों में नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित करने तथा अटेंडेंस शीट तैयार करने जैसे आवश्यक प्रबंधन कार्यों पर विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया।

प्रशिक्षण में मकान सूचीकरण हेतु कार्यक्षेत्र निर्धारण, नक्शे पर लिस्टिंग, मकान सूचीकरण मानचित्र को स्कैन कर सीएमएमएस में अपलोड करने, लैंडमार्क का सटीक उल्लेख सुनिश्चित करने जैसी प्रमुख तकनीकी प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री मिश्रा ने प्रगणक एवं पर्यवेक्षक की भूमिका, उत्तरदायित्व तथा विधिक प्रावधानों पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रगणक के रूप में कर्तव्य, पर्यवेक्षक के रूप में कर्तव्य, प्रकरण प्रबंधन, निरीक्षणीय अधिकार, भावनात्मक संवेदनशीलता, मकानों को क्रमवार नंबर प्रदान करना, नजरी नक्शा तैयार करना, मकान सूचीकरण एवं मकान गणना प्रपत्रों को सही ढंग से भरना और स्वाग प्रक्रिया के अनुपालन की कया-कया महत्वपूर्ण बातें हैं। सत्र के दौरान पीपीटी (पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन टेक्नोलॉजी) के माध्यम से चार्ज अधिकारियों को सभी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया, जिससे आगामी जनगणना कार्यों में पारदर्शिता, गति एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में जन प्रतिनिधियों और संस्कृति स्कूल के बच्चों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 131वें एपिसोड को सुना।

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बालावाला देहरादून में विराट हिन्दू सम्मेलन में प्रतिभाग किया।

मेरठ में अलग-अलग डेवलपमेंट के कामों की शुरुआत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी और पंकज चौधरी के साथ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में कई प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित कार्यक्रम को संबोधित किया.

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने इंदौर के बास्केटबॉल परिसर में किसान कल्याण की बात युवाओं के साथ卐 कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उद्योपतियों को सम्मानित किया।

पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक से अफगानिस्तान में अब तक 80 से ज्यादा मौतें, सीमा पर तनाव चरम पर

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के नंगरहार, पक्तिका और खोस्त प्रांत में हवाई हमले किए, जिनमें 80 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तान ने इसे हाल के आत्मघाती हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया है। काबुल ने पहले भी ऐसे आरोपों को खारिज किया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के भीतर कई ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इनमें 80 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई अफगानिस्तान के नंगरहार, पक्तिका और खोस्त प्रांत के सात स्थानों पर की गई। पाकिस्तान का कहना है कि यह हमले हाल में हुए आत्मघाती विस्फोटों के जवाब में किए गए हैं, जिनके लिए उसने अफगानिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को जिम्मेदार ठहराया है।पाकिस्तान सरकार के अनुसार इन हमलों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और उससे जुड़े गुटों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया कि इस कार्रवाई में करीब 70 आतंकियों को मार गिराया गया। सूचना मंत्रालय ने हमलों को 'सटीक और जवाबी कार्रवाई' बताया है। हमले

पक्तिका के बर्मल इलाके, नंगरहार के खोगयानी, गनी खेल और बेहसूद क्षेत्रों में किए गए।पाकिस्तान ने क्या आरोप लगाए?पाकिस्तान का आरोप है कि हाल में इस्लामाबाद, बाजौर और बन्नू में हुए आत्मघाती हमलों के पीछे अफगानिस्तान में बैठे संचालक थे। चौधरी ने कहा कि अफगान तालिबान ने 2020 के दोहा समझौते में अपनी जमीन को आतंक के लिए इस्तेमाल न होने देने का वादा किया था, लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहा है और देश के भीतर 70 हजार से ज्यादा खुफिया आधारित अभियान चलाए जा चुके हैं।दूसरी ओर, काबुल प्रशासन पहले भी पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर चुका है। अफगान पक्ष का कहना है कि पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याएं उसका आंतरिक मामला हैं। दोनों देशों के बीच 2021 में तालिबान की वापसी के बाद से तनाव बढ़ा है। अक्टूबर 2025 में भी सीमा पर झड़पों में दोनों ओर हताहत हुए थे। फिलहाल सीमा क्षेत्र में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।एयरस्ट्राइक की भारत ने की निंदाभारत ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित आम नागरिकों की मौत हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि पवित्र रमजान के महीने में इस तरह की कार्रवाई अस्वीकार्य है।भारत ने कहा कि यह पाकिस्तान की अपनी आंतरिक विफलताओं को बाहरी मुद्दों में बदलने की कोशिश है। नई दिल्ली ने अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। भारत ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।

उत्तर कोरिया की राजनीति में अटकलों पर लगा विराम, बेटी नहीं, किम को ही मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

प्योंगयांग ,27 फरवरी (एजेंसी)। उत्तर कोरिया की वर्कर्स पार्टी कांग्रेस में किम जोंग उन को फिर से जनरल सेक्रेटरी चुना गया। पार्टी ने उनके परमाणु कार्यक्रम और सैन्य विस्तार की सराहना की। अमेरिका और दक्षिण कोरिया से संबंध पहले से तनावपूर्ण हैं। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले वर्षों में किम परमाणु और सैन्य क्षमता को और तेज करेंगे।

उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की कांग्रेस में किम जोंग उन को दोबारा पार्टी का जनरल सेक्रेटरी चुन लिया गया है। इस फैसले के साथ ही हाल के महीनों में चल रही उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें उनके बाद उत्तराधिकार को लेकर चर्चा हो रही थी। माना जा रहा था कि इस बार उनकी बेटी को जनरल सेक्रेटरी चुना जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राज्य मीडिया के अनुसार हजारों प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से किम के नेतृत्व पर भरोसा जताया।

पार्टी कांग्रेस पिछले गुरुवार से चल रही थी और रविवार को चौथे दिन यह निर्णय लिया गया। पार्टी ने कहा कि किम के नेतृत्व में देश ने अपनी परमाणु क्षमता को मजबूत किया है और किसी भी बाहरी खतरे का सामना करने की ताकत हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में सैन्य और राजनीतिक लक्ष्यों को और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

परमाणु कार्यक्रम पर जोर

विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी परमाणु और मिसाइल नीति को और तेज करेंगे। उत्तर कोरिया पहले ही ऐसे मिसाइल विकसित कर चुका है जो एशिया में अमेरिका के सहयोगी देशों और अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंच सकते हैं। पार्टी ने दावा किया कि परमाणु ताकत ने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ाया है।रूस से बढ़ती नजदीकीहाल के वर्षों में रूस के साथ उत्तर कोरिया के रिश्ते मजबूत हुए हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान सैन्य सहयोग ने प्योंगयांग की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को और आक्रामक बनाया है। विश्लेषकों का कहना है कि किम पारंपरिक सेना को भी मजबूत करने और उसे परमाणु क्षमता के साथ जोड़ने की नई योजना पेश कर सकते हैं।अमेरिका और दक्षिण कोरिया से दूरी2019 में किम और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच शिखर वार्ता विफल होने के बाद से दोनों देशों के बीच कोई सार्थक वार्ता नहीं हुई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भी उत्तर कोरिया ने परमाणु निरस्त्रीकरण की शर्त पर बातचीत से इनकार किया है। 2024 में किम ने दक्षिण कोरिया को स्थायी दुश्मन घोषित कर दिया था, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ गया।

राज्य समाचार एजेंसी ने बताया कि कांग्रेस में पार्टी नियमों में संशोधन भी किया गया है, हालांकि विवरण साझा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि इन बदलावों के जरिए किम अपने सख्त रुख को और संस्थागत रूप दे सकते हैं। 2016 से हर पांच साल में कांग्रेस आयोजित की जा रही है और किम लगातार शीर्ष पद पर बने हुए हैं।

अमेरिका के पूर्वी तट पर बर्फीले तूफान की चेतावनी, 1500 से अधिक उड़ानें रद्द, बाढ़ का भी खतरा

वॉशिंगटन ,27 फरवरी । अमेरिका के पूर्वी तट पर बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट और मौसम विभाग की माने तो तीव्र हो रहे शीतकालीन तूफान के कारण मध्य अटलांटिक और उत्तरपूर्वी अमेरिका में भारी बर्फबारी, तेज हवाएं और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आने की आशंका है। इसके चलते न्यूयॉर्क और बोस्टन सहित प्रमुख शहरों में बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई है, जिसकी वजह से 1500 से अधिक उड़ानें रद्द हो गई हैं।राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम पूर्वानुमान केंद्र ने कहा कि दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में बना निम्न दबाव रविवार सुबह तक दक्षिणी मध्य अटलांटिक तट की ओर बढ़ेगा और शाम तक तेजी से गहरा होकर पूर्वी तट के साथ उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ेगा। अपने नवीनतम अल्पकालिक पूर्वानुमान में, केंद्र ने उत्तर-पूर्व के लिए एक बड़े शीतकालीन तूफान और उत्तरी मध्य अटलांटिक और उत्तर-पूर्व के लिए भारी बर्फबारी की चेतावनी दी है।मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि कभी-कभी एक इंच प्रति घंटे से अधिक की दर से बर्फबारी होगी, जिससे कुल बर्फबारी एक से दो फीट तक हो सकती है, जिसकी वजह से यात्रा लगभग असंभव हो जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि यह प्रणाली मध्य अटलांटिक तट से दूर एक निम्न दबाव प्रणाली के तेजी से तीव्र होने के कारण रविवार से सोमवार तक मध्य अटलांटिक और उत्तर-पूर्व में व्यापक रूप से गंभीर प्रभाव डालेगी।बता दें कि डेलावेयर से लेकर दक्षिण-पूर्वी न्यू इंग्लैंड तक तटीय क्षेत्रों में बर्फीले तूफान की स्थिति का पूर्वानुमान है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दृश्यता में भारी कमी के कारण इन क्षेत्रों में यात्रा बेहद खतरनाक हो जाएगी।

ईरान का कड़ा कदम : यूरोपीय संघ की सेनाओं को आतंकी घोषित किया, परमाणु मुद्दे पर बढ़ा तनाव

ईरान ,27 फरवरी । ईरान ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की नौसेना और वायु सेना को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। यह कदम वर्ष 2019 में यूरोपीय संघ द्वारा ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के जवाब में उठाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत बताई गई कार्रवाई

ईरान के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि यूरोपीय संघ द्वारा आईआरजीसी के खिलाफ की गई कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के विरुद्ध है। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय पारस्परिक जवाबी कार्रवाई के तहत लिया गया है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि 2019 में अमेरिका द्वारा आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के बाद ईरान ने पारस्परिक कार्रवाई संबंधी कानून के अनुच्छेद 7 के तहत यह कदम उठाया है। इस कानून के अनुसार, जो भी देश अमेरिका के इस निर्णय का समर्थन या अनुसरण करेगा, उसके खिलाफ ईरान पारस्परिक कार्रवाई करेगा।

और अल-कायदा की श्रेणी में रखा गयायूरोपीय संघ द्वारा आईआरजीसी को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने के बाद इसे इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा जैसी आतंकी संगठनों की श्रेणी में रखा गया है। इस निर्णय के बाद दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक तनाव और बढ़ गया है।परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम में अहम भूमिका1979 की इस्लामी क्रांति के बाद स्थापित आईआरजीसी ईरान की शिया धार्मिक व्यवस्था की रक्षा के लिए गठित की गई थी। समय के साथ इस संगठन ने देश की अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बलों में व्यापक प्रभाव स्थापित कर लिया। आईआरजीसी ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों की देखरेख में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।अमेरिका और इजरायल का बढ़ता दबावइस बीच अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देश ईरान पर यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम रोकने के लिए दबाव बनाए हुए हैं। इन देशों ने ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिशों को लेकर चिंता जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह 10 से 15 दिनों के भीतर परमाणु समझौते पर अमेरिका के साथ सहमति बनाए, अन्यथा परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

गार्ड' की तरह सैल्यूट, ग्रुप फोटो में किनारा... ट्रंप की बोर्ड ऑफ पीस बैठक में पाक पीएम की भारी फजीहत

वाशिंगटन ,27 फरवरी । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हालिया अमेरिका यात्रा कूटनीतिक सफलता के बजाय उनके लिए सार्वजनिक शर्मिंदगी का कारण बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में आयोजित 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में शरीफ के हाव-भाव और वहां घटी घटनाओं ने सोशल मीडिया पर मीम्स और तीखी आलोचनाओं का तूफान ला दिया है। इस दौरे का सबसे चर्चित और विवादित पल वह रहा, जब एक वायरल वीडियो में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ राष्ट्रपति ट्रंप को किसी सुरक्षा गार्ड की तरह अजीबोगरीब अंदाज में सैल्यूट करते हुए नजर आए। इस वाकये के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की जमकर जग हंसाई हो रही है।

कूटनीतिक मर्यादा तार-तार, ग्रुप फोटो में भी किया गया किनारेइस वीडियो के सामने आते ही इंटरनेट पर लोगों ने इसे पाकिस्तान की संप्रभुता और कूटनीतिक मर्यादा के बिल्कुल विपरीत करार दिया। आलोचकों का स्पष्ट रूप से मानना है कि एक संप्रभु देश के प्रधानमंत्री का किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के सामने इस तरह झुकना दोनों देशों के बीच बेहद असंतुलित और कमजोर संबंधों को उजागर करता है। बात सिर्फ अजीबोगरीब व्यवहार तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि बैठक की आधिकारिक तस्वीरों ने भी वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की वास्तविक हैसियत की पोल खोल दी। दुनिया भर के नेताओं के साथ लिए गए ग्रुप फोटो में जहां डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रमुख सहयोगियों के साथ बीच में खड़े थे, वहीं शहबाज शरीफ को बिल्कुल किनारे पर खड़ा किया गया था। कूटनीतिक विशेषज्ञ इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस्लामाबाद के पूरी तरह से हाशिए पर चले जाने का प्रतीक मान रहे हैं।भरी सभा में ट्रंप ने किया खड़ा, शरीफ ने पढ़े कसीदे

बैठक के दौरान एक और असहज कर देने वाला क्षण तब देखने को मिला जब ट्रंप ने अपने भाषण के बीच में ही शहबाज शरीफ की तरफ इशारा करते हुए उन्हें अपनी जगह पर खड़े होने का निर्देश दे दिया। इस दृश्य ने पाकिस्तान के विपक्षी दलों और सोशल मीडिया यूजर्स को सरकार पर हमलावर होने का बड़ा मौका दे दिया और कई लोगों ने तो शरीफ को 'ट्रंप की कठपुतली' तक कह डाला। हालांकि, ट्रंप ने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि उन्हें यह शख्स पसंद है, लेकिन इस हल्के-फुल्के बयान के पीछे का कूटनीतिक संदेश पाकिस्तान के लिए बेहद अपमानजनक था। जब शहबाज शरीफ को बोलने का अवसर दिया गया, तो उन्होंने ट्रंप की शान में जमकर कसीदे पढ़े। शरीफ ने उन्हें शांति का दूत और दक्षिण एशिया का रक्षक बताते हुए दावा किया कि ट्रंप ने ही भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में मध्यस्थता की है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने उनके इस दावे को तुरंत सिरे से खारिज कर दिया।पाकिस्तान में मचा सियासी बवाल, गाजा बल से भी रखा गया बाहरशहबाज शरीफ की इस फजीहत भरी यात्रा ने पाकिस्तान के भीतर भी एक बड़ा सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। विपक्षी नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि 'बोर्ड ऑफ पीस' जैसी महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने से पहले न तो संसद को भरोसे में लिया गया और न ही अन्य राजनीतिक दलों से कोई सलाह-मशविरा किया गया। विपक्ष का यह भी आरोप है कि सरकार ने फिलिस्तीन और इजरायल के मुद्दे पर पाकिस्तान की पुरानी विदेश नीति के साथ समझौता कर लिया है। करीब 40 से अधिक देशों के इस शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गाजा में मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण के लिए एकजुटता दिखाना था। पाकिस्तान को इस बैठक में बुलाकर औपचारिकता तो पूरी की गई, लेकिन उसे उन देशों की सूची से पूरी तरह बाहर रखा गया जो गाजा में अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल के लिए अपना योगदान देने वाले हैं।हालांकि, ट्रंप ने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि उन्हें यह शख्स पसंद है, लेकिन इस हल्के-फुल्के बयान के पीछे का कूटनीतिक संदेश पाकिस्तान के लिए बेहद अपमानजनक था। जब शहबाज शरीफ को बोलने का अवसर दिया गया, तो उन्होंने ट्रंप की शान में जमकर कसीदे पढ़े। शरीफ ने उन्हें शांति का दूत और दक्षिण एशिया का रक्षक बताते हुए दावा किया कि ट्रंप ने ही भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम में मध्यस्थता की है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने उनके इस दावे को तुरंत सिरे से खारिज कर दिया।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी, अमेरिका से तनाव के बीच बिगड़े हालात

तेहरान 27 फरवरी (एजेंसी)। ईरान के तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालयों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्रों ने जनवरी में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। पहले हुए दमन में हजारों मौत और हजारों गिरफ्तारियां हुई थीं। यह विरोध अमेरिका से बढ़ते तनाव और परमाणु वार्ता के बीच हो रहा है।

बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई। पहले भी हुआ था बड़ा दमनजनवरी में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों

को सुरक्षा बलों ने सख्ती से दबा दिया था। अधिकार समूहों का दावा है कि हजारों लोग मारे गए और करीब 40 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। इ

रानी सरकार ने कहा था कि 3 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जिनके लिए उसने इस्राइल और अमेरिका समर्थित तत्वों को जिम्मेदार ठहराया। उस समय प्रदर्शनकारियों ने सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के शासन को समाप्त करने की मांग की थी।सरकार की चेतावनीहालिया प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार ने औपचारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सरकारी मीडिया ने परिसरों में तनाव की खबरें दी हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के एक अधिकारी हुसैन गोलदानसाज ने छात्रों को 'उग्र नारे' और हिंसा से दूर रहने की चेतावनी दी। सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है।

अमेरिका से बढ़ता तनावयह विरोध उस समय हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत जारी है। ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों की वार्ता स्विट्जरलैंड में फिर शुरू होने वाली है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि समाधान संभव है, लेकिन ईरान यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं छोड़ेगा। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति भी बढ़ाई गई है।

सम्पादकीय...

पुलिस के बीच दिल्ली-हिमाचल

न तुम बेवफा थे, न हम बेवफा हैं। यह उस बहस का नतीजा है जो दिल्ली और हिमाचल पुलिस के बीच एक हाई वोल्टेज ड्रामा समझा गया। नजारा इसके भीतर और देश के मौजूदा हालात के दरमियान है। देश की कानून व्यवस्था बैलगाड़ियों पर ढोई जा रही है। माजरा यह है कि देश में सबसे बड़ा एआई इवेंट इस वजह से खराब होता दिखाई दे रहा है कि कहीं कांग्रेस के युवा सिपाहियों ने कमीज उतार कर विरोध कर दिया। अहम किरदार उस कांग्रेसी में आ गया, जो अब मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का जज्बा रखता है। अब हालात की परेशानी में देश की सरकार उन्हें ढूंढ रही है जिनकी बनियान पर एआई का विरोध छपा था। इसी लुका-छिपी का एक कहानी हिमाचल की मेजबानी बन गई। यह गजब का इश्क है तेरे फरमानों में, ढूंढने लगे हो अपने खत मेरे तहखानों में। यानी पहले रात के अंधेरे में दिल्ली पुलिस ने हिमाचल भवन और सदन की खाक छानी, तो छवि की रेत झरने लगी और अब रोहड़ू तक पहुंच कर, 'इंकलाब जिंदाबाद' के खिलाफ धावा बोला गया। जाहिर है सत्ता के कारण हिमाचल अब कांग्रेस की दरगाह है, तो सारे कर्मकांड यहीं से निभाए जाएंगे। हैरानी तब हुई जब कांग्रेस के मक्का से युवा ब्रिगेड का मुकाम छीनने के लिए एक-दो नहीं, दिल्ली पुलिस के बीस लोगों का जत्था घुसपैठ करने के इरादे से, हिमाचल को ऐसे अपराध की जननी मान बैठा, जो हकीकत में एक बुलबुला था। दिल्ली से वाकई शिमला दूर है और शिमला से रोहड़ू भी नजदीक नहीं है, इसलिए चौकसी में मशहूर हिमाचल पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए केंद्र की पुलिस में मुजरिम खोजने का नाका लगा दिया। लोगों की नींद इसलिए तो कभी हराम नहीं होती कि कौन सोलर लाइट की बैटरी चुरा रहा है या स्मार्ट सिटी की टाइलें बिना हील हुज्जत के क्यों टूट रही हैं, लेकिन जब पुलिस बनाम पुलिस के मुकाबले में हिमाचल पुलिस वाकई नजर आए तो हम वीर भूमि बनते जरूर नजर आए। तीन युवा कांग्रेसी अगर कांग्रेसी सत्ता के राज्य में सुरक्षित नहीं, तो फिर अगली बार सरकार कैसे बनेगी। दूसरी ओर एआई के पंडाल में देश की हरकतों में अगर चीन का 'रोबो कुत्ता' बदनाम न होता, तो कांग्रेस के नसीब में यह संघर्ष भी न आता। वैसे रोबोट के किस्से तो देश में पुराने हो गए, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री ही स्कूल में इसे बना चुके हैं और इधर हिमाचल भी कम नहीं। प्रगतिशील राज्य के मेडिकल कालेजों के रोबोट सर्जरी कर रहे हैं, तो हम विज्ञान की मिसाल हैं। इससे पूर्व भी केंद्र की शान में हिमाचल आगे रहा है, जब एक प्रतिष्ठित पत्रकार स्व. विनोद दुआ के खिलाफ देशद्रोह का मामला बहुत पहले शिमला की कमान में ही बना था। पता नहीं दिल्ली पुलिस के जत्थे ने हिमाचल आकर यहां का कितना पानी पिया, लेकिन पहाड़ का पानी पिये बिना दिल्ली पुलिस रह नहीं सकती। लोग पूछ रहे हैं कि हिमाचल पुलिस को क्या आन पड़ी थी कि मीडिया की भी रात काली कर दी, लेकिन यह अवसर फिर पता नहीं कब आता। अंततः हिमाचली अधिकारों पर तो केंद्र आज तक नहीं जागा। वाटर सैस पर चुप्पी धारण किए केंद्र को कैसे समझाएं कि इसके जरिए हमने आत्मनिर्भर बनना है। शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद भी केंद्र को कैसे बताएं कि यह करंट हमारा है। हम न तो अपनी कोमल-पवित्र हवाएं रोक सकते, न पानी के स्त्रोत रोक सकते, लेकिन दिल्ली पुलिस को रोक कर बता दिया कि हमारी कानून दृष्टि कितनी अधिकृत है। यह दीगर है कि किसी तरह दिल्ली पुलिस तीन कांग्रेसी युवाओं को अपने साथ ले गई, लेकिन संदेश भी दिया जा चुका है। आइंदा हिमाचल से किसी कांग्रेसी नेता को उठाना है, तो पहले प्रदेश पुलिस को बताना होगा। हम बहस कर सकते हैं कि हिमाचल के हर थाने में बताते हुए भी पुलिस इतना जबरदस्त एक्शन नहीं लेती, तो दिल्ली पुलिस को क्यों रोक दिया। हमारी भूल है थानों में अब सिर्फ पुलिस नहीं होती, वहां क्षेत्रीय नेताओं का दबदबा होता है। हर एफआईआर एक कहानी है। इसलिए पुलिस बनाम पुलिस के बीच एफआईआर तो देखी गई, मगर आर्डर सिर्फ पुलिस के विवेक, समझ और रूटीन से नहीं, उस आंदोलन से निकले हैं जिसने बताने की कोशिश की कि चीन का 'रोबो डॉग' हमारी एआई उपलब्धियों का नजराना नहीं। केंद्र कितने प्रयास से युवा कांग्रेसियों को पकड़ रही है, लेकिन इन गिरफ्तारियों से यह सिद्ध हो जाता है कि कांग्रेस अब संघर्ष से गहरी चोट पहुंचा सकती है।

राहुल गांधी के शेर

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर आजकल दुनिया के सब देशों में चर्चा चल रही है। कहा जा रहा है कि भविष्य इसी बुद्धिमता का बचा है। इसको लेकर चौथा विश्व सम्मेलन पिछले दिनों भारत की राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ था। इस सम्मेलन में दुनिया भर के वैज्ञानिक, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, विश्वविद्यालय, छात्र व अन्य लोग एकत्रित हुए थे। कई देशों के मुखिया इसमें भाग ले रहे थे। भारत के लिए यह सचमुच गौरव की बात थी कि इस वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करने का अवसर उसे मिल रहा था। लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसमें गड़बड़ करने की शायद पहले से ही योजना बना रखी थी। उसके दस नेताओं ने इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवा रखा था। इसके लिए यकीनन गुप्त रूप से तैयारी की गई होगी। किसी प्रेस से टी-शर्ट पर नरेंद्र मोदी की टीका टिप्पणी वाला चित्र छपवाया गया। उस टी शर्ट पर एक दूसरी साधारण कमीज पहन ली गई। पंजीकरण तो था ही। इस प्रकार कांग्रेस के ये दस नेता भारत मंडपम में दाखिल हो गए। कांग्रेस के इन नेताओं ने वहां विश्वभर के लोगों के सामने अपने शरीर के ऊपरी भाग के कपड़े उतार दिए। शुरू में तो वहां एकत्रित लोगों ने यही समझा कि ये भी शायद एआई से निर्मित भारत के रोबोट हैं जिनका प्रदर्शन किया जा रहा है। सम्मेलन के शुरू में ही गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एक कृत्रिम चीनी कुत्ते को अपना कह कर भद्द पिटवा ली थी। इसलिए नारे लगाते इन दस लोगों को देख कर शुरू में भ्रम होना ही था कि शायद भारत निर्मित रोबोट हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी समझा होगा कि भारत ने एआई के क्षेत्र में इतनी बड़ी छलांग लगा ली है कि वह आर्गेनिक एआई तक पहुंच गया है जहां रोबोट मनुष्यों की तरह सोचता भी है।

चेतना युक्त रोबोट। लेकिन फिर इन दस नेताओं ने अलग अलग मुद्राओं में नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। इनका कहना था कि ये वहां नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए गए थे। कुछ दिन बाद सोनिया गान्धी परिवार के राहुल गान्धी ने स्वयं खुलासा किया कि ये उसके 'शेर' थे। अब मामला साफ हो गया था कि यह सारी करतूत किसकी और क्यों थी। पहले चीनी कुत्ते ने भद्द पिटवाई और अब राहुल गान्धी के दस शेरों ने। प्रदर्शन करना कोई बुरी चीज नहीं है। यह समय समय पर करते रहना चाहिए। उससे पता चलता रहता है कि इस दिशा में भी देश कितनी प्रगति कर रहा है। इस काम के लिए भारत ने तो स्थान और सुविधा भी दे रखी है। दिल्ली में ही जहां राहुल गान्धी के दस शेर भारत मंडपम में घुस गए गए थे, सरकार ने जंतर मंतर पर प्रदर्शनों की सब प्रकार की 'सुविधापूर्ण प्रदर्शन स्थली' बना रखी है। लेकिन इन दस शेरों को शायद दुनिया के आगे नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करना था। परन्तु एक और प्रश्न भी पैदा होता है। यह विश्व सम्मेलन तो 'भारत' का था। यह सम्मेलन मोदी का नहीं था। यहां प्रदर्शन या विरोध का अर्थ था भारत का विरोध। यहां लगाए गए नारे परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ लगाए गए नारे ही थे। दरअसल जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी सामान्य बुद्धि से कार्य करती है तो वह कार्य तार्किक हो सकता है। लेकिन जब किसी व्यक्ति या संस्था का संचालन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से किया जाने लगे तो उसका विश्लेषण सामान्य पैमानों से नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए यदि प्रश्न पूछा जाए कि कृत्रिम बुद्धि से संचालित व्यक्ति कैसा व्यवहार कर सकता है, तो इसके कई उत्तर हो सकते हैं, मसलन वह आग में भी कूद सकता है, समुद्र में भी छलांग लगा सकता है, हवा में भी उड़ सकता है, भरी सभा में अपने कपड़े भी उतार सकता है, किसी को खंजर भी घोंप सकता है। यही कारण है कि आजकल जहां एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभों की चर्चा हो रही है वहीं उसके नुकसानों पर भी चर्चा होने लगी है। एआई की सीमा यह है कि उसका नियंत्रण किसी दूसरे के हाथ में होता है।

जैसे कठपुतलियों का नाच बगैरह। लेकिन कई बार गड़बड़ हो जाती है। विवाह में नाचने वाली कठपुतली फिजिक्स के सेमिनार में नाचने लगती है। यकीनन तब वहां शिरकत कर रहा कोई भी उसकी कला की प्रशंसा तो नहीं करेगा बल्कि कहेगा, इसको यहां से निकालो। यदि वही कठपुतली किसी विवाह स्थल पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगी तो वाहवाही बटोरेगी। कांग्रेस के ये दस बड़े नेता जो भारत मंडपम में विविध भाव भंगिमाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे यकीनन वाहवाही तो नहीं ही बटोर रहे थे। लेकिन वाहवाही बटोरना उनका शायद उद्देश्य भी नहीं था। उनका उद्देश्य तो भारत की भद्द पिटवाना था। कोई भी मौका हो, कोई भी स्थान हो, वे भारत की भद्द पिटवाने का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देंगे। अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि गलगोटिया विश्वविद्यालय के चीनी कुत्ते के प्रकरण की भी बाकायदा जांच की जाए, वहां भी कहीं इन 'भद्द पिटवाने वाली जुंडली' के तार तो नहीं जुड़े हुए। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने अति उत्साह में आकर यह हरकत की है, शायद वे अपने नेताओं की नजर में अपनी कीमत बढ़वाना चाहते होंगे। शायद ऐसा मान भी लिया गया होता। इस थ्योरी का खंडन स्वयं राहुल गान्धी ने ही समय रहते कर दिया। उसके कहने का भाव यह था कि इन्हें कोई साधारण कार्यकर्ता न समझ लें। ये तो उसके 'शेर' हैं। इस मरहले पर डा. नवजोत कौर सिद्धु का ध्यान आता है। सिद्धु परिवार का राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी के साथ बहुत अपनत्व वाला संबंध रहा है।

अपने इन लंबे संबंधों का विश्लेषण करते हुए कुछ दिन पहले ही डा. सिद्धु ने राहुल गान्धी पर टिप्पणी करते हुए दुःख प्रकट किया था कि वह 'पप्पू' के स्तर से ऊपर नहीं उठ पा रहा है। लेकिन भारतीय राजनीति का दुखान्त इतना ही नहीं है। वह इससे भी आगे जाता है। उसकी मां इस बात पर जिद्द किए बैठी हैं कि इसे हर हालत में भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। बस एक छलांग ही तो बची है। अब 'विपक्ष के नेता' तक की सीढ़ी पर तो बैठे ही हैं। राहुल गान्धी की भी अपनी जिद्द है। जब तक प्रधानमंत्री नहीं बना देते तब तक मेरे ये 'शेर' हर जगह, मौके बेमौके ऐसे ही घूमेंगे। लेकिन लगता है पानी सिर से गुजरने लगा है। कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने वाले इन दस नेताओं की पिटाई वहां की साधारण जनता ने कर दी। क्या कांग्रेस या राहुल गान्धी इस प्रकरण से कुछ सीखेंगे? जिन्होंने हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र के चुनावों से कुछ नहीं सीखा, वे अब अपनी ही इन रोबोटनुमा हरकतों से भला क्या सीख सकते हैं। अलबत्ता भारत के लोग इससे अवश्य सीख लेंगे कि यह कांग्रेस अब महात्मा गान्धी वाली कांग्रेस नहीं रही, जिस प्रकार हिमाचल वाली कांग्रेस राजा वीरभद्र वाली कांग्रेस नहीं रही। अब कांग्रेस कृत्रिम बुद्धि से संचालित होती है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सत्र समाप्त होने के साथ ही चर्चाएं भी समाप्त

अजीत द्विवेदी

संसद के बजट सत्र में ब्रेक चल रहा है। सत्र का दूसरा हिस्सा नौ मार्च से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला हिस्सा बहुत हंगामे वाला रहा। वैसे तो हर सत्र ही हंगामे वाला होता है लेकिन इस बार कुछ अनोखी चीजें हुईं। जैसे स्पीकर ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई एक अधूरी चर्चा का जवाब देने लोकसभा में नहीं आएं क्योंकि कुछ 'अप्रत्याशित' घट सकता है। प्रधानमंत्री मान भी गए। पहली बार ऐसा हुआ। ऐसे ही पहली बार हुआ कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और बदले में विपक्ष ने प्रधानमंत्री को नहीं बोलने दिया। पहली बार विपक्ष की महिला सांसदों से प्रधानमंत्री को खतरा होने की बात हुई। पहली बार नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ सब्सटेंसिव मोशन पेश किया गया। पूर्व प्रधानमंत्रियों की नीतियों की आलोचना तो पहले भी होती थी लेकिन इस बार की नई गिरावट यह थी कि पूर्व प्रधानमंत्रियों की जीवनी या उनके ऊपर लिखी गई किताबों में से यहां वहां के उद्धरण छांट कर उनको 'गद्दार', 'अय्याश' आदि सदन के अंदर कहा गया। पहली बार ऐसा हुआ कि संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्षी सांसदों पर आरोप लगाया कि उन्होंने स्पीकर के चैम्बर में जाकर गाली गलौज की। करीब चार दशक बाद पहली बार स्पीकर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया। यह सब कुछ दो से 13 फरवरी के बीच हुआ।

यह 12 दिन का समय राहुल गांधी की राजनीति के लिए बहुत अच्छा रहा। वे इस 12 दिन की राजनीति के केंद्र में रहे। दो फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर उनके भाषण देने से विवाद शुरू हुआ और उनके खिलाफ मोशन लाए जाने के बाद सदन की कार्यवाही आठ मार्च तक स्थगित हुई। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि हुई और सत्र के बीच अमेरिका के साथ संधि की घोषणा हुई। इसी बीच एपस्टीन फाइल्स के पन्ने खुले, जिसमें एक केंद्रीय मंत्री और एक कारोबारी के एपस्टीन से संपर्कों की कहानियां आईं। इन तमाम घटनाओं ने राहुल गांधी को मौका दिया कि वे केंद्र सरकार पर हमलावर रहें। कुछ अंतरराष्ट्रीय हालात और कुछ राहुल गांधी के तेवर से सरकार बैकफुट पर रही। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्री तक बचाव की मुद्रा में दिखे। राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव लाना भी घबराहट का ही संकेत है। सोशल मीडिया में नैरेटिव है कि राहुल ने कमाल कर दिया।

इस पूरे घटनाक्रम से राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ा, जिसमें उन्होंने दो बड़ी गलतियां कीं। आत्मविश्वास और अति उत्साह में उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर अपने एक साथी सांसद और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार दोस्त' कहा। यह राहुल गांधी की अपनी छवि के बिल्कुल उलट बात थी। दूसरी गलती उन्होंने यह कर दी कि दो केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रहलाद जोशी की मीडिया से बातचीत के बीच में घुस गए और बोलने लगे। उन्होंने प्रहलाद जोशी का हाथ पकड़ कर उनको रोकने का प्रयास भी किया। इन दोनों घटनाओं को कांग्रेस इकोसिस्टम के लोगों ने खूब प्रचारित किया। उन्होंने इसे ऐसे प्रस्तुत किया, जैसे राहुल के डर से दो मंत्री भाग गए और राहुल ने ठीक किया, जो कांग्रेस छोड़ने वाले बिट्टू को गद्दार कहा। लेकिन ये दोनों घटनाएं सामान्य संसदीय आचरण के अनुरूप नहीं हैं।

बहरहाल, संसद के बजट सत्र में राहुल गांधी चर्चा के केंद्र में रहे। वे एजेंडा सेट करते रहे, जिस पर सरकार जवाब देती रही और बैकफुट पर रही। लेकिन यह पहला सत्र नहीं है, जिसमें राहुल ने महफिल लूटने वाला काम किया है। इससे पहले भी डोकलाम का घटनाक्रम हो या हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट हो, हर बार सत्र में राहुल गांधी हीरो होते हैं। वे अच्छे और लंबे भाषण करते हैं और संसद के पूरे सत्र का एजेंडा सेट कर देते हैं। लेकिन क्या संसद सत्र के दौरान उनके द्वारा की जाने वाली राजनीति चुनाव के मैदान में कांग्रेस को लाभ पहुंचाती है? क्या संसद में वे जो राजनीति करते हैं उससे कांग्रेस संगठन को ताकत मिलती है? यह सही है कि इससे राहुल गांधी की साहसी और निर्भीक नेता की छवि को मजबूती मिलती है और कांग्रेस की चर्चा होती है। लेकिन सत्र समाप्त होने के साथ ही ये चर्चाएं भी समाप्त हो जाती हैं। राहुल गांधी को यह ध्यान रखने की जरुरत है कि राजनीति बिट्स एंड पैचेज में होने वाली चीज नहीं है। संसद सत्र में उनके उठाए मुद्दों से जो माहौल बनता है उसे जनता के बीच ले जाना होता है। इसके लिए पार्टी संगठन को मजबूत करने की जरुरत होती है ताकि मुद्दों पर जमीनी स्तर पर राजनीति हो सके। अफसोस की बात है कि राहुल गांधी यह काम नहीं कर पाते हैं। उन्होंने सत्र के बीच एक दिन किसान बन कर मनरेगा बचाओ आंदोलन में हिस्सा लिया लेकिन 45 दिन का कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान कब शुरू हुआ और कब समाप्त हो गया, यह न तो जमीनी स्तर पर दिखा और न दिल्ली में दिखा।

संसद का मौजूदा बजट सत्र चल रहा होगा उसी बीच पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की घोषणा होगी। अप्रैल में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव होना है। इन पांच राज्यों में पिछले छह महीने में राहुल गांधी सिर्फ एक बार तमिलनाडु और संभवतः एक या दो बार केरल गए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा भी सिर्फ केरल गई हैं क्योंकि वे वहां की वायनाड सीट से सांसद हैं। इसके उलट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के पहले डेढ़ महीने में दो-दो बार पश्चिम बंगाल और असम जा चुके हैं और एक-एक बार तमिलनाडु और केरल का दौरा कर चुके हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बुरा मानिये होली है...

पूरन सरमा

यही तो बात है बुरा मानने की आज होली है। यह कोई न्यू इयर अथवा वेलेंटाइंस डे थोड़े ही है, जो बुरा न मानें। यह होली है होली, जिसमें रंग के नाम पर कीचड़ पोता जा रहा है और शुभकामनाओं के नाम पर दी जा रही हैं, खुलेआम गाली। वैरभाव और ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाने की एवज दोगुना कर देती है होली। इसलिए सामने वाले पर गुस्सा कीजिये ताकि वह अपनी औकात में रहे। मुझे पता है वह बुरा न मानो होली है, का नारा देकर अपने भीतर की तमाम खटास निकालेगा, इसलिए उसको मौका ही क्यों दिया जाए कि वह आपकी साफ-सुथरी पोशाक को बदरंग बना दे और आपकी एकदम स्वच्छ छवि पर कालिख पोत जाए। होली पर बुरा इसलिए भी मानिये कि वह 'भाई साहब-भाई साहब' कहता हुआ आपके घर में घुसेगा और आपकी पत्नी से होली खेलने लगेगा। पत्नी के जिन गालों पर हाथ लगाते हुए आप खुद तीन बार सोचते हैं, वह 'भाभीजी-भाभीजी' कहता हुआ उनके गालों को लाल कर देगा। महिलाओं के साथ ऐसा बर्ताव बदतमीजी में माना गया है, इसलिए होली पर बुरा मानिये और अपनी पत्नी की इज्जत बचाइये। बुरा मानने की बात इसलिए भी है कि वह अभी आप द्वारा परोसी गई तमाम मिठाइयों और गुझिया को एक ही पल में चाट जाएगा और आपके मासूम माल खाने को तरस जाएंगे। बच्चों का हक बचाना है तो होली पर नाराज रहिये ताकि कोई इसके बहाने आपके घर मेहमान बनकर भी न आ सके। आपका माल मार रहा है और आप बुरा भी न मानें, यह नितांत गलत है। मान लिया आपके रंग लगाने, तक तो बात चल भी जाए, लेकिन उसने होली के बहाने आपके कुर्ता-पाजामा को तार-तार कर दिया है और आप भिखारी की भूमिका में आ गए हैं, तो आप क्या बुरा नहीं मानेंगे? अवश्य बुरा मानिये, उसने कृत्य ही ऐसा किया है। यही नहीं उसने नहीं उतरने वाला रंग आपके वाला रंग आपके चेहरे पर पोतकर आपको लंगूर बना दिया है और आपकी पत्नी को आपका यह स्वरूप किंचित भी रास नहीं आ रहा है तो आप बुरा न मानकर और करेंगे भी क्या? यह ढोल पर धमाल गाती हुई मंडली जो आपके घर के बाहर शोर मचा रही है, उस पर ध्यान और कान दीजिये, बहुत ही अश्लील गीत से आपकी खिल्ली उड़ा रही है और आप बुरा भी नहीं मानें। बुरा आप नहीं तो क्या आपका पड़ोसी मानेगा, जो आपसे जला-भुना यह सब कौतुक करवा रहा है। पड़ोसी की नियत किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है। वह आपकी जीवनशैली और वैभव से दुखी हुआ बैठा है और आपको जलील करवा कर प्रसन्न हो रहा है। उसकी प्रसन्नताओं को अंगूठा दिखाने के लिए बुरा अवश्य मानिये। यह भाईचारा और सद्भाव की बात की जा रही है, यह कोरा नाटक है। यही क्यों, आप जिन्हें अपना अंतरंग समझकर 'हैप्पी होली' कहने जा रहे हैं, वे आपको भांग या शराब मिलाकर पता नहीं कौनसी सीडी बनाकर ब्लैकमेल करना चाहते हैं।

भयाकुल जीवन झूठ की कोयला खदानों में सांस ले रहा

हरिशंकर व्यास

देश इन दिनों सत्य-शोध की कोयला खदान है, जिससे यदा-कदा निकले चमकीले कण दिमाग़ और बुद्धि को खदबदा देते हैं। हाल में रक्षा बजट में एक लाख करोड़ रु. से अधिक बढ़ोतरी की खबर थी। भारत 2026-27 में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदेगा। ऐसे ही यूरोपीय संघ के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से व्यापार समझौते की सुर्ख़ी है। मतलब जहाँ सैन्य क्षमताओं में बढ़ोतरी का क़दम, वहीं भारत की आर्थिकी का खुलना। कभी मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे अरविंद सुब्रमण्यम ने लिखा है कि अब भारत विश्व की सर्वाधिक खुली आर्थिकी होने के क़गार पर है! बहुत अच्छा। पर ये फ़ैसले भारत की मजबूरी से हैं या ठोस संकल्प से हैं?

आख़िर चीन से हारने के बाद सैन्य ताक़त का विस्तार तो नेहरू के समय में ही शुरू हो गया था। फिर लालबहादुर शास्त्री ने मुंबई में ट्रॉम्बे में एटमी भट्टी का शिलान्यास किया। इंदिरा गांधी ने परमाणु परीक्षण कराया। नरसिंह राव ने परमाणु बम-मिसाइलें बनवाईं, तो वाजपेयी ने बिना आगे-पीछे सोचे पोखरण में पाँच परीक्षण कर दुनिया को बताया—आज बुद्ध पूर्णिमा है!

ऐसे ही नरसिंह राव ने आर्थिकी खोली। मनमोहन सिंह ने उससे भूमंडलीकरण साधा, तो ट्रंप के झटकों के बाद भारत अब उनकी शर्तों पर व्यापार समझौता किए हुए है। सर्वाधिक खुली आर्थिकी के जुमले बन रहे हैं, तो स्वाभाविक सवाल है—खुलने से हम बाज़ार बनेंगे या समर्थ, आत्मनिर्भर होंगे या आश्रित ? यह मानना तो मूर्खता ही होगी जो सोचे कि चीन डरकर लद्दाख, अरुणाचल से निगाह हटा लेगा या पाकिस्तान की कश्मीर से नज़र हट जाएगी। हक़ीक़त है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक सैन्य जगत में भारत की जो किरकिरी हुई, उसने मोदी सरकार को सैन्य ख़र्च बढ़ाने के लिए मजबूर किया है।

ऐसे ही अमेरिका और यूरोप के साथ व्यापार करार भी भयाकुल मनोदशा में हैं।

यही कलियुगी हिंदुओं का वह इतिहासजनित डीएनए है, चरित्र है, जिसमें मुझे कोयला खदान का बिंब झलकता है! कोई तीन दशक पहले मैंने झारखंड घूमते हुए कोयला खान के मुहाने के घने काले परिवेश में काली धूल में लथपथ जीवन महसूस किया था। मिट्टी, मज़दूरी, झोपड़ियाँ, मज़दूर (आदिवासी बहुल), इन्फ़्रास्ट्रक्चर—सब काली धूल में लथपथ। मानो शनि का घर। फिर घूमते-घूमते कोल इंडिया, स्टील इंडिया के सरकारी प्रतिष्ठान, बोकारो का स्टील प्लांट देखा-समझा, तो दिमाग़ बुरी तरह खदबदाया। मेरी इस सोच को बल मिला कि नेहरू के समाजवाद, लाइसेंस-कोटा-परमिट और अंग्रेज़ विरासत ने सब गुड़गोबर किया है।

अर्थात मुस्लिम-मुग़ल लुटेरों-शासकों से जहां हिंदुस्तान खेतीहर पैदावार, हस्तशिल्प की उत्पादकता-व्यापार में लुटा तो अंग्रेज़ हुक्मरानों ने लगान-लूट के अलावा खदानों-कच्चेमाल (माइनिंग), व्यापार (मर्केंटाइल)—यानी कोयले की दलाली—के काले हाथों में हिंदुस्तानियों को रंगा। लुटेरे जगतसेठ पैदा किए। वही दिशा स्वतंत्रता के बाद, प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू से बनी। उन्होंने पुराने अंग्रेज़ मॉडल की विरासत की नींव पर 'आइडिया ऑफ़ इंडिया' गढ़ा। ऐसा समाजवाद अपनाया, जो सत्ता द्वारा, सत्ता के ख़ातिर, सत्ता की लूट का तंत्र विकसित करने वाला था। नतीजतन भारत के लोग पावरफ़ुल 'नागरिक' बनने की बजाय और अधिक हुकूम के बंधुआ, क़ानूनों में बंधे, माई-बाप सरकार पर आश्रित हुए। नौकरशाही ने समाजवाद के नाम पर आर्थिकी को माइनिंग-मर्केंटाइल के ढाँचे वाली कोयला खान को पुनर्गठित किया!

समय कुछ बदला। सो बुद्धिमान पी. वी. नरसिंह राव की मौन बहादुरी से भारत ने ताज़ा हवा पाई। डॉ. मनमोहन सिंह की दृष्टि, विद्वत्ता से वैश्विक राजधानियों में भारत का मान बना। पर हम हिंदुओं का इतिहास तो भयाकुल क़ौम का है। समर्पण—भूख—भय—भक्ति का है। वह कैसे मिटता? मेरा लिखना इमरजेंसी के समय 1976 से शुरू हुआ है। तब वैश्विक विषयों (सोवियत संघ, शीतयुद्ध, अफ़ग़ानिस्तान आदि) पर लिखता था, तो साम्यवाद, समाजवाद, गरीबी हटाओ, 20 सूत्री कार्यक्रमों से भारत समझ आता था। पूरा ठीकरा नेहरू के आइडिया, समाजवाद, गिरगिटी नौकरशाही की कोयला खदान पर केंद्रीत हुआ। तब भी ज़ाहिर था कि हिंदुओं का वह भक्ति काल है, जो हज़ार साल की ग़ुलामी से पैदा कायरता का बाय-प्रोडक्ट है।

इसलिए मेरे लिए 1977 में कांग्रेस की हार और इंदिरा गांधी की जगह निर्भीकता का मंत्र देने वाले मोरारजी देसाई का शपथ लेना मानो क्रांति के क्षण थे। पर उन्होने भी नेहरू के आइडिया ऑफ़ इंडिया के ढाँचे को नहीं समेटा। उलटे सदियों से सत्ता के लिए फड़फड़ाती क़ौम के नए प्रतिनिधि भुख्खड़ों में घमासान बना। पहले समाजवादी, फिर कम्युनिस्ट नेताओं की वह तोड़फोड़, वह आचरण प्रकट हुआ, जिसमें आयाराम-गयाराम भी हुआ; तो बाँटो और राज करो की मंडल राजनीति, फिर संघ-आडवाणी की कमंडल राजनीति भी खिली। चुपचाप भगवा रंग चढ़ने लगा।

बीच में जरूर नरसिंह राव ने अफ़सरों (शासन) की दख़ल घटाई, भारत खुला; पर सत्ता की भूख, हड़बड़ी (जैसे 1947 से पहले नेहरू-गांधी की थी) भी खुली। मंडल-कमंडल के वे नेता ज़मीनी हल्ला बनाते हुए थे, जिससे देश ने चीन के साथ-साथ उठने के अवसर गँवाए। कम्युनिस्ट सुरजीत-प्रकाश करात, लालू, रामविलास आदि प्रगतिशीलता, सामाजिक न्याय के हवाले अपने ही समर्थ से बनाई मनमोहन सिंह सरकार की नाक में भी दम किया।

कुल मिलाकर आर्थिकी खुली, तब भी देश चीन की तरह फ़ायदा नहीं उठा पाया। हाँ, नारायणमूर्ति जैसे कुछ नए उद्यमियों की बदौलत भारत ज़रूर आईटी क्षेत्र में दुनिया का बैकऑफ़िस, आईटी-कुलियों का सप्लायर देश बना। मेरा मानना है कि ग़ुलामी के इतिहासजन्य डीएनए से हम हिंदू बुद्धि-बल से ज्ञान-विज्ञान-शोध-तकनीक-लेखन में कुछ भी मौलिक रचने में समर्थ नहीं हैं। हमें केवल जुगाड़ आता है। समय रीपिट होता रहता है। अंग्रेज़ों के समय गन्ना पैदा करने वाले किसान विदेश (फ़िजी, मॉरिशस, सूरीनाम आदि) गए। वैसे ही नए मिलेनियम में भारत का योगदान खाड़ी देशों में मज़दूर सप्लाई तथा आईटी-कर्मियों की दुनिया की सेवा था। उसी से अमेरिका, पश्चिमी देशों में भारतीयों का जाना हुआ।

सोचे, प्रवासियों ने जो कमाया, वह किसमें जाया हुआ? केरल के मलयाली परिवार की प्रवासी कमाई हो या पूर्वी यूपी के खाड़ी देशों में गए मज़दूरों की कमाई, या बेंगलुरु के आईटी हब में उत्तर भारत की काम कर रही श्रमशक्ति, या बिहार से देश भर में फैले मज़दूरों की कमाई—इससे देश की शक्ल दो तरह से बदली है। 2010 के बाद का कथित भारत-विकास या तो खपत-बाज़ार बढ़ाने का चक्र लिए हुए है, या टैक्स, जीएसटी से सरकार की फ़िज़ूलख़र्ची (वेतन आयोगों, लुटियन दिल्ली में इमारतें बनाने, इन्फ़्रास्ट्रक्चर, फिर उन्हें क्रोनी पूँजीपतियों को बाँट देना) का वह दुष्चक्र है, जिसके झाँसे, ललक ने घर-परिवारों, नौजवान दंपत्तियों, मध्यवर्ग, निम्न वर्ग, किसान—सभी को क़र्ज़ में जीने का आदी बना दिया है। सोचे, कभी भारत का ग़रीब बचत के रिकॉर्ड बनाता था और अब हर कोई क़र्ज़ों में डूबा है, ख़ैरात पर ज़िंदा है। देश में संतुष्ट, स्वपोषक, आत्मनिर्भर केवल वही आबादी है, जो कोयले की खान की काली कमाई, दलाली से हराम का जीवन जी रहे हैं!

विकास के नाम पर कोयले की खान का क्या रूप-परिवर्तन है? मशीनें चीन की लग गई हैं, भ्रष्टाचार के भरपूर विकास में दुनिया के नंबर एक हैं। पर दिल्ली हो या झारखंड का निवासी—हर भारतीय धुएँ, धूल से फेफड़े काले करते हुए है। मज़दूर हो, आधुनिक गिग वर्कर हो—सब लाचारी, दीनता, क़र्ज़ से जीते हुए हैं। पर यह जरूर हुआ सत्ता की काली खान, कोयले के काले धंधों ने नए जगतसेठ पैदा किए। वे सेठ जो सस्ता कच्चा तेल खरीदते हैं, कोयला निकालते हैं और पेट्रोल-डीज़ल-गैस तथा बिजली सब मंहगा भारतीयों को बेचते हैं—तो विदेशियों को भी बेचते हैं। मुग़ल-अंग्रेज़ ज़माने के जगतसेठ अब उन नए चेहरों में कन्वर्ट हैं, जो न हल्दी लगे, न चूना—रंग चोखा आए के नुस्खे में ख़रबपति बनने के वैश्विक रिकॉर्ड बना रहे हैं।

सो वैश्विक पैमाने पर भारत की आर्थिकी सर्वाधिक खुले तब भी क्या होना है? पर खुलना मजबूरी भी है। अमेरिका या योरोप से भारत समझौता न करे, तो सहारा क्या है? भारत किनके बूते दुश्मन चीन और पाकिस्तान से बचेगा? ये वे दो देश हैं, जिनकी चिंता में सरकार ने रक्षा बजट में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदने का फैसला किया।

पर क्या सैन्य हथियार ख़रीदने से क्या चीन और पाकिस्तान डरेंगे? हथियार तो हिंदू राजा-रजवाड़े भी रखते थे। उनकी पूजा भी करते थे। मगर ख़ैबर पार से आ रहे हज़ार-पंद्रह सौ घुड़सवारों के आगे भाग खड़े होते थे। लड़ने के बजाए भागने, समर्पण का राजा जुगाड़ तलाशता था।

क्यों? जवाब है कौम का कलियुग की काली बुद्धि, काले शनि की छाया में जो जीना है। याद करें, मोदी सरकार ने राफ़ेल खरीद कर कैसी सूरमाई झांकी बनाई थी। नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह ने पूजा की, काला धागा बाँधा। हुआ क्या? ऑपरेशन सिंदूर के सत्य के लिए वैश्विक रिपोर्ट तलाशीं, तो मालूम हुआ—राफ़ेल का नुक़सान।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सांसद संजय झा बने भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष, कई अन्य सांसदों को भी मिली जिम्मेदारी

पटना। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सदस्य संजय झा को भारत-जर्मनी संसदीय मैत्री संघ का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार जताया है।वहीं भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी को भारत-स्विटजरलैंड संसदीय मैत्री संघ का अध्यक्ष बनाया गया है। नवादा के सांसद विवेक ठाकुर भारत-

त्रिनिनाद संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष बनाए गए हैं। मनोज तिवारी को सूरीनाम भारत मैत्री संघ का अध्यक्ष बनाया गया है। राजद के राज्यसभा सदस्य प्रेम गुप्ता भारत-केन्या संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष बनाए गए हैं। देवेशचंद्र ठाकुर भारत-इरान संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष बनाए गए हैं। उपेंद्र कुशवाहा व शांभवी चौधरी को मेक्सिको भारत संसदीय मैत्री संघ का सदस्य बनाया गया है। गोपाल जी ठाकुर को भारत-बाल्टिक संसदीय मैत्री संघ का सदस्य बनाया गया है। वीणा देवी को अल्जीरिया-भारत मैत्री संघ में सदस्य. बनाया गया है। राजद के राज्य सभा सदस्य संजय यादव क्यूबा-भारत संसदीय मैत्री संघ के सदस्य बनाए गए हैं। सांसद प्रदीप कुमार सिंह को ओमान-भारत मैत्री संसदीय संघ का सदस्य बनाया गया है। जदयू सांसद आलोक कुमार सुमन भारत-आस्ट्रिया संसदीय मैत्री संघ का सदस्य बनाया गया है।नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार भारत-सउदिया मैत्री संघ के सदस्य बनाए गए हैं। इजरायल-भारत संसदीय मैत्री संघ का अध्यक्ष रविशंकर प्रसाद को बनाया गया है। सुनील कुमार को इजरायल वाले संघ में सदस्य के रूप में रखा गया है। अजय मंडल को त्रिनिनाद-टोबैगो वाली कमेटी में सदस्य के रूप में जगह मिली है। संजय झा ने कहा कि ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में भारत और जर्मनी का काफी पुराना संबंध रहा है। प्रसिद्ध जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने भारतीय धर्म ग्रंथों का संस्कृत में गहन अध्ययन करने के पश्चात उन्हें दुनिया से अवगत कराया।

भारत एवं जर्मनी के सांसदों की मित्रता और दोनों देशों के ऐतिहासिक सामरिक संबंधों को नयी ऊंचाई पर पहुंचाने की दिशा में इस जिम्मेवारी का निर्वहन करने में उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता और गर्व की अनुभूति होगी।

दिल्ली का हाल! अंधेरे में डूबी द्वारका की मुख्य सड़क, राहगीरों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

पश्चिमी दिल्ली, 27फरवरी [एजेंसी]। उप नगरी द्वारका क्षेत्र में सेक्टर-12 से सेक्टर-14 की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पिछले कई दिनों से अंधेरे में डूबी हुई है। सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं, जिससे यह मार्ग राहगीरों के लिए असुरक्षित होता जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व, नशेड़ी और अपराधी यहां बेखौफ घूमते नजर आते हैं, जिससे झपटमारी और लूटपाट जैसी घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है। यह सड़क द्वारका के प्रमुख संपर्क मार्गों में से एक है, जहां दिन के साथ-साथ देर रात तक आवाजाही बनी रहती है। खासतौर पर इस मार्ग पर स्थित एक प्रमुख वेगास शापिंग मॉल के कारण देर रात तक लोगों का आना-जाना लगा रहता है।मॉल में सिनेमा हॉल, रेस्टोरेंट और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान होने के चलते रात के समय भी यहां युवाओं, परिवारों और नौकरी पेशा लोगों की मौजूदगी रहती है।ऐसे में सड़क पर अंधेरा होना सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर चिंता का विषय बन गया है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों की संख्या में नौकरीपेशा लोग, छात्र, महिलाएं और बुजुर्ग गुजरते हैं। देर रात ऑफिस से लौटने वाले कर्मचारी और मॉल से बाहर निकलने वाली महिलाएं खुद को सबसे ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रही हैं।स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं, लेकिन पर्याप्त रोशनी न होने के कारण हालात और भी भयावह हो जाते हैं।

इस सड़क के आसपास कई बड़े आवासीय परिसर, डीडीडी फ्लैट्स, निजी अपार्टमेंट्स के साथ-साथ बाजार, मेडिकल स्टोर, बैंक शाखाएं, कोचिंग सेंटर और खाने-पीने की दुकानें मौजूद हैं।इसके अलावा यह मार्ग मेट्रो स्टेशन, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों को भी जोड़ता है, जिससे इसकी उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने के लिए संबंधित विभागों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त किया जाए और रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, ताकि यह व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग फिर से सुरक्षित बन सके।

ट्राइसिटी के अस्पतालों में श्वस।स् घोटाला: इलाज के नाम पर 100 करोड़ से अधिक का फर्जीवाड़ा, सीबीआई ने की छापेमारी

चंडीगढ़, 27 फरवरी [एजेंसी]। केंद्र सरकार ने पूर्व सैनिकों के इलाज के लिए एक्स सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) शुरू की थी। ट्राइसिटी में इस स्कीम में ही 100 करोड़ से अधिक का घोटाला हो गया है।दरअसल, फर्जी तरीके से मरीजों को

प्राइवेट हॉस्पिटलों में एडमिट दिखाकर इस स्कीम के तहत मोटे क्लेम लिए गए। न केवल मरीज की एडमिशन फर्जी हुई, बल्कि दवाइयों के बिल और टेस्ट रिपोर्ट भी फर्जी बनाई गई। इस घोटाले में ट्राइसिटी के कई प्राइवेट हॉस्पिटल शामिल है। मंगलवार को सीबीआई ने ट्राइसिटी के विभिन्न प्राइवेट हॉस्पिटलों और सेक्टर 38 में एक धार्मिक स्थल में चल रहे मेडिकल सेंटर में रेड की। ईसीएचएस में फर्जीवाड़े का यह खेल सुनियोजित तरीके से खेल जा रहा है। सेक्टर 38 तथा सेक्टर 15 का एक प्राइवेट हॉस्पिटल इस खेल का केंद्र है। दिल्ली सीबीआई और चंडीगढ़ सीबीआई ऑफिस की टीमों ने सेक्टर 15 में धर्म हॉस्पिटल का रिकॉर्ड खंगाला। देर रात तक सीबीआई की टीम इस हॉस्पिटल में जांच करती रही। इस खेल में प्राइवेट हॉस्पिटल से लेकर, डॉक्टर और प्राइवेट लैब तक शामिल है। यही नहीं शहर की एक प्राइवेट एजेंसी भी इस खेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह एजेंसी हॉस्पिटलों

एक मां का दोहरा दर्द... पहले 15 साल का इकलौता बेटा फंदे पर झूला, फिर उसी की हत्या के आरोप में जाना पड़ा जेल

गुना, २५ फरवरी [एजेंसी]। एक मां के लिए अपनी आंखों के सामने अपने इकलौते बेटे का शव देखना दुनिया का सबसे बड़ा दुख होता है। लेकिन गुना की अलका जैन के लिए यह दुख यहीं खत्म नहीं हुआ। जिस बेटे की मौत के सदमे से वह उबर भी नहीं पाई थीं, उसी बेटे की हत्या के आरोप में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अब जाकर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने इस मामले में दखल देते हुए अलका जैन पर लगे सभी आरोपों को निरस्त कर दिया है और निचली अदालत की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है। अलका जैन की शादी 1 जून 2006 में भोपाल में बैंक में पदस्थ अनुपम जैन से हुई थी। 1 फरवरी 2011 को उनके घर एक बेटे (अभ्युदय) का जन्म हुआ। पति के तबादले के कारण अलका अपने 15 वर्षीय बेटे के साथ गुना में रह रही थीं। 14 फरवरी 2025 की सुबह अलका ने अपने घर के बाथरूम में अपने इकलौते बेटे को फंदे से लटकता हुआ पाया। बदहवास माँ उसे लेकर तुरंत जिला अस्पताल दौड़ी, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट (15 फरवरी 2025) में मौत की वजह गला घोंटना बता दी गई। इसी आधार पर गुना पुलिस ने 22 फरवरी 2025 को अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया। जांच में सीधे माँ (अलका) को ही आरोपी मानते हुए 8 मार्च 2025 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, बाद में 16 जून 2025 को उच्च न्यायालय से उन्हें नियमित जमानत मिल गई थी। इस अन्याय के खिलाफ अलका के पति ने पुलिस मुख्यालय में शिकायत की। इसके बाद पुलिस अधीक्षक, गुना द्वारा एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच में यह बात सामने आई कि अभ्युदय अपनी पढ़ाई को लेकर अवसाद में था। उसके अंक लगातार गिर रहे थे; पांचवीं कक्षा में 89.5 प्रतिशत से गिरकर सातवीं में 64.7 प्रतिशत रह गए थे। विशेष जांच दल ने साफ़ कहा कि मां के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। पुलिस महानिरीक्षक, उप महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक की मंजूरी के बाद अदालत में खात्मा रिपोर्ट पेश कर दी गई।कहानी में नया मोड़ तब आया जब गुना के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पुलिस की इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। 9 मई 2025 को बिना किसी ठोस सबूत के, महज़ कुछ शंकाओं (जैसे- माँ ही घर में थी, उसने ही फंदा काटा, आदि) के आधार पर मजिस्ट्रेट ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 और 238 के तहत संज्ञान लेते हुए माँ पर मुकदमा चलाने का आदेश दे दिया।

आखिरकार, यह मामला उच्च न्यायालय पहुंचा। 9 फरवरी 2026 को न्यायमूर्ति मिलिंद रमेश फड़के की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट कियाचिकित्सा विशेषज्ञों की 19 अप्रैल 2025 की रिपोर्ट में साफ़ था कि आँखों में खून उतरना फांसी लगाने और गला घोंटने, दोनों ही स्थितियों में हो सकता है, जिसे निचली अदालत ने नज़रअंदाज़ कर दिया।मकान मालकिन (नेहा जैन) के बयान को भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अनदेखा किया, जिसमें उन्होंने साफ बताया था कि घटना के वक्त घबराहट में अलका ने चाबियों के गुच्छे से खुद चाबी ढूंढी थी।

अनुसूचित जाति और मुस्लिम समाज में मारपीट, 12 गिरफ्तार

बुलंदशहर, 27 फरवरी [एजेंसी]। अनुसूचित जाति एवं मुस्लिम समाज के लोगों के बीच जमकर मारपीट हुई। कुआं पूजन के दौरान बज रहे म्यूजिक सिस्टम को बंद कराने को लेकर दोनों पक्ष भिड़ गए।हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने ग्राम प्रधान समेत मुस्लिम पक्ष के 15 लोगों को नामजद करते हुए 64 ग्रामीणों के खिलाफ मारपीट एवं एससी/एसटी एक्ट के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने 12 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव गिनौरा शेख निवासी अनुसूचित जाति के आकाश कुमार के यहां सोमवार शाम कुआं पूजन और रात को देवी जागरण का कार्यक्रम था।कुआं पूजन के दौरान स्वजन और रिश्तेदार म्यूजिक सिस्टम पर डांस कर रहे थे। इसी बीच मुस्लिम पक्ष के लोगों ने नमाज का समय होने का हवाला देते हुए म्यूजिक सिस्टम बंद करने को कहा। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात किया है। पुलिस ने पीड़ित आकाश की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी नीरज कुमार मलिक ने बताया कि म्यूजिक सिस्टम बंद करने को लेकर दोनों पक्षों में हाथापाई हुई है। गांव में पुलिस बल तैनात करने के साथ गश्त बढ़ा दी है।

पूर्व विधायक शाहनवाज राणा के बेटे की जमानत में फर्जीवाड़ा उजागर, फर्जी हस्ताक्षर-मुहरों का हुआ इस्तेमाल

मुजफ्फरनगर। बसपा के पूर्व विधायक शाहनवाज राना के पुत्र आहद राना की जमानत के मामले में फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। सीओ सिटी ने जांच के बाद सिविल लाइंस थाने में अज्ञात आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। जमानत तस्दीक में खालापार थाना प्रभारी से लेकर चौकी प्रभारी तक के फर्जी हस्ताक्षर किए गए। पुलिस अब जमानत तस्दीक कराने वालों की तलाश में लगी है।पांच दिसंबर 2024 को पूर्व सांसद एवं सपा नेता कादिर राना की वहलना चौक स्थित राना स्टील फैक्ट्री में जीएसटी विभाग की डीजीजीआई टीम ने छापेमारी की थी। यहां पर महिला अधिकारियों से अभद्रता, टीम से मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसमें पूर्व विधायक शाहनवाज राना समेत नौ लोगों को आरोपित किया था। इसके बाद सिविल लाइंस पुलिस ने पूर्व विधायक शाहनवाज राना को जेल भेजकर उनके विरुद्ध जांच की थी। जेल में बंद रहने के दौरान पूर्व विधायक को मोबाइल पहुंचाने के मामले में उनके पुत्र आहद राना, समधी बिजनौर निवासी

बसपा के पूर्व विधायक मोहम्मद गाजी समेत उनके चालक, नौकर को आरोपित किया गया था। आहद को गिरफ्तार किया गया था, जिसकी जमानत मंजूर होने के बाद दो जमानतियों के दस्तावेज 11 नवंबर 2025 को खालापार कोतवाली भेजे गए थे।

जमानत तस्दीक होने के बाद 12 नवंबर 2025 को आहद जेल से छूट गया था। अब जमानत में फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। एसपी सिटी सत्य नारायण प्रजापत को शिकायत दी गई थी, जिस पर सीओ सिटी एवं एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने जांच की है। इसमें स्पष्ट हुआ कि असली जमानतियों के नकली दस्तावेजों से जमानत तस्दीक कराई गई। जमानत तस्दीक में खालापार थाना प्रभारी महावीर सिंह चौहान, चौकी प्रभारी की फर्जी मुहर और हस्ताक्षर कर दिए।दस्तावेज पर चौकी प्रभारी का नाम भी गलत अंकित मिला है। इन्हीं तथ्यों के आधार पर सीओ सिटी ने सिविल लाइंस थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसपी सिटी ने बताया कि फर्जी दस्तावेजों से जमानत तस्दीक कराकर न्यायालय को गुमराह करने का काम किया गया है।

इसकी जांच में मिले तथ्यों के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख, ईवी चार्जिंग गाइडलाइन्स पर केंद्र और यूपी सरकार से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 27 फरवरी [एजेंसी]। सुप्रीम कोर्ट ने आवासीय सोसायटियों में वर्ष 2024 के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के संदर्भ में जारी दिशानिर्देशों को लागू कराने के लिए दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को नोटिस जारी कर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब तलब किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्या बागची की पीठ सुनवाई की शुरुआत में उस समय नाराज हो गई, जब याचिकाकर्ता रचित कत्याल के वकील ने कहा कि इस मुद्दे पर याचिकाएं लंबित हैं और उनकी याचिका को भी उनके साथ सुनवाई के लिए स्वीकार किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें इस सूची में एक और याचिका क्यों जोड़ना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जनहित याचिका दायर करने वालों की संख्या में तेज वृद्धि हो रही है। लगता है कि अब कुछ प्रमुख चेहरे ऐसे हैं जिनका एकमात्र एजेंडा सुबह अखबार पढ़ना और जनहित याचिका दायर करना है।हालांकि पीठ ने बाद में कत्याल की याचिका स्वीकार कर ली और केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार, ग्रेटर नोएडा स्थित निराला एस्टेट हाउसिंग सोसायटी और उसकी संपत्ति प्रबंधन एजेंसी कुशमैन एंड वेकफील्ड प्रापर्टी मैनेजमेंट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से जवाब मांगा है। याचिका पर 13 अप्रैल की

सुनवाई हो सकती है। याचिकाकर्ता ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) निराला एस्टेट फेज-3 में फ्लैट में रहते हैं। उन्होंने ईवी खरीदा था। उन्होंने अपने खर्च पर प्रमाणित निजी ईवी चार्जर स्थापित करने के लिए 26 मई, 2025 को हाउसिंग सोसायटी और प्रबंधन एजेंसी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था।हालांकि सरकारी दिशानिर्देशों के बावजूद कोई निर्णय नहीं लिया गया, जबकि विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापना और संचालन दिशानिर्देश 2024 में स्पष्ट रूप से निवासियों को निजी चार्जिंग यूनिट स्थापित करने की अनुमति दी गई है।याचिका में कहा गया कि आवास समितियों द्वारा ईवी चार्जर लगाने के लिए एनओसी प्रदान करने से मनमाने ढंग से इन्कार करना अनुच्छेद 14 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। ईवी को अपनाने में मुख्य बाधा आवास समितियों द्वारा आवंटित पार्किंग स्थानों में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर लगाने की अनुमति देने में अनुचित इन्कार या देरी है।

बंगाल की छह अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, आरडीएक्स वाले ई-मेल से मचा हड़कंप

कोलकाता। बंगाल के न्यायिक गलियारों में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब कोलकाता समेत राज्य के जिलों की छह अदालतों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। अज्ञात प्रेषक द्वारा भेजे गए संदेश में दावा किया गया था कि अदालत परिसरों में आरडीएक्स रखा गया है और दोपहर तक सब कुछ उड़ा दिया जाएगा।इस धमकी के बाद कोलकाता स्थित नगर सत्र न्यायालय, बैंकशाल कोर्ट, आसनसोल कोर्ट, दुर्गापुर कोर्ट, हुगली जिले के चुंचुड़ा कोर्ट और मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर कोर्ट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में पुलिस बल और बम निरोधक दस्ते ने मोर्चा संभालते हुए संबंधित परिसरों को खाली कराया और डाग स्क्वाड की मदद से सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

चार्टर्ड विमान हादसे हुए तो संचालक जिम्मेदार, डीजीसीए ने कड़े किए नियम, कहा- केवल पायलटों पर दोष मढ़ना ठीक नहीं

नई दिल्ली। महीने भर के अंदर एक के बाद एक निजी चार्टर्ड विमान हादसों के बाद डीजीसीए ने सख्त रुख अपनाते हुए विमानन नियामक डीजीसीए ने गैर-निर्धारित विमान संचालकों (एनएसओपी) के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। हालिया दुर्घटनाओं के मद्देनजर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को लेकर कई नई व्यवस्थाओं की घोषणा की है और स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब पायलट से लेकर कंपनी संचालक तक कार्रवाई के दायरे में लाए जाएंगे। दरअसल, सोमवार को रांची से दिल्ली जा रहा एक एयर एंबुलेंस विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। यह विमान एक गैर-निर्धारित ऑपरेटर द्वारा संचालित किया जा रहा था। इससे पहले 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती के पास वीएसआर वेंचर्स के स्वामित्व वाला एक लियरजेट-45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।इसके अलावा, अंडमान निकोबार में पवन हंस हेलीकॉप्टर भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों को सुरक्षित बचाया गया था। इन घटनाओं के बाद डीजीसीए ने सभी नान-शेड्यूल्ड आपरेटरों (एनएसओपी) की बैठक बुलाई। बैठक में हाल के विमानन हादसों में वृद्धि पर चिंता जताते हुए सुरक्षा पर विशेष फोकस की आवश्यकता पर जोर दिया गया। नियामक ने साफ कहा कि सुरक्षा चूक का ठीकरा केवल पायलटों पर नहीं फोड़ा जा सकता, बल्कि जवाबदेह प्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधन भी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराए जाएंगे। नई व्यवस्थाओं के तहत गैर-

निर्धारित विमान संचालकों को अपने विमानों की आयु, रखरखाव का ब्योरा और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारियां सार्वजनिक करनी होंगी। साथ ही, इन आपरेटरों की सुरक्षा रैंकिंग भी तैयार की जाएगी, ताकि यात्रियों को पारदर्शी जानकारी मिल सके। डीजीसीए ने यह भी स्पष्ट किया है कि नियमों के उल्लंघन पर पायलटों के लाइसेंस को अधिकतम पांच वर्ष तक निलंबित किया जा सकता है। पुराने विमानों और स्वामित्व परिवर्तन से गुजर रहे विमानों की विशेष निगरानी की जाएगी। बीएओए ने भी सतर्कता बरतने को कहा उधर, बिजनेस एयरक्राफ्ट आपरेटर्स एसोसिएशन (बीएओए) ने भी अपने सदस्यों से आंतरिक सुरक्षा आडिट कराने और क्रू ब्रीफिंग को सख्ती से लागू करने की अपील की है।संगठन ने कहा कि विशेष रूप से अनियंत्रित हवाईपट्टियों और सीमित मौसम सहायता वाले क्षेत्रों में उड़ान भरने वाले आपरेटरों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। मंत्रालय भी व्यापक समीक्षा में जुटा नागर विमानन मंत्रालय ने भी संकेत दिया है कि गैर-निर्धारित उड़ानों और छोटे हवाईअड्डों के संचालन की व्यापक समीक्षा की जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

बारामती विमान हादसे में अजीत पवार की मौत के बाद चार्टर्ड विमान संचालक कंपनी वीएसआर वेंचर्स के चार विमानों को उड़ान भरने से रोक दिया गया है।डीजीसीए ने बताया है कि स्पेशल सेफ्टी ऑडिट में उड़ान योग्यता, हवाई सुरक्षा, उड़ान संचालन में कई अनुपालन संबंधी खामियां पाई गई हैं।हादसे के बाद डीजीसीए ने स्पेशल ऑडिट शुरू कराई थी। इस बीच, विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि हादसे की प्राथमिक रिपोर्ट 28 फरवरी को जारी की जाएगी।बैठक में हाल के विमानन हादसों में वृद्धि पर चिंता जताते हुए सुरक्षा पर विशेष फोकस की आवश्यकता पर जोर दिया गया। नियामक ने साफ कहा कि सुरक्षा चूक का ठीकरा केवल पायलटों पर नहीं फोड़ा जा सकता, बल्कि जवाबदेह प्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधन भी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराए जाएंगे। नई व्यवस्थाओं के तहत गैर-निर्धारित विमान संचालकों को अपने विमानों की आयु, रखरखाव का ब्योरा और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारियां सार्वजनिक करनी होंगी।

हादसा: खड़े ट्रक से भिड़ी बोलेरो, एयर बैग पंक्चर होने से ड्राइवर सहित दो लोगों की मौत

जांजगीर 27 फरवरी (एजेंसी)। मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में स्वास्थ्य विभाग के दो कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि एक मुख्य लिपिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना नांदघाट के पास उस समय हुई, जब शासकीय कार्य से रायपुर जा रही सरकारी बोलेरो तेज रफ्तार में सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक को बाहर निकालने के लिए दरवाजा तोड़ना पड़ा। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आसपास हुआ। बोलेरो जांजगीर-चांपा से सुबह लगभग आठ बजे सीएचएमओ कार्यालय के कार्य से रायपुर रवाना हुई थी।

वाहन में चालक सत्येंद्र उपाध्याय (लगभग 49-50 वर्ष), सीएचएमओ कार्यालय के मुख्य लिपिक सीएल साहू और उनके साथ एक रिश्तेदार रमेश सवार थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सड़क किनारे एक ट्रक खड़ा था। बताया जा रहा है कि ट्रक का पिछला हिस्सा सड़क की ओर निकला हुआ था। इसी दौरान तेज रफ्तार में आ रही सरकारी बोलेरो संभवतः ओवरटेक करते या साइड से निकलने के प्रयास में सीधे ट्रक के पीछे जा घुसी। बोलेरो का अगला हिस्सा बुरी तरह दब गया।चालक सत्येंद्र उपाध्याय स्टीयरिंग और सीट के बीच फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन का दरवाजा तोड़ा और उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के दौरान वाहन का एयरबैग भी खुला, परंतु टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उनकी

जान नहीं बच सकी।पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है और तलाश जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि ट्रक सड़क पर किस परिस्थिति में खड़ा था और क्या यातायात नियमों का उल्लंघन हुआ था। सीएमएचओ ने बताया कि वाहन शासकीय कार्य से रायपुर जा रहा था। सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे।घटना स्थल पर दो ही मौत, बाबू अपोलो में भर्ती

दुर्घटना में वाहन में सवार रमेश की भी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मुख्य लिपिक सीएल. साहू गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर स्थित अपोलो अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है और हालत गंभीर बताई जा रही है।

बेकाबू कार पुलिया के नीचे गिरी

जशपुर के दमेरा-जशपुर मार्ग पर मंगलवार दोपहर लगभग एक बजे बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। चराईडांड के समीप स्थित अंधे मोड़ पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार पांच लोग घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार जशपुर की ओर आ रही थी। चराईडांड के खतरनाक अंधे मोड़ पर चालक अचानक वाहन से संतुलन खो बैठा। बता दें साढ़े तीन किलोमीटर लंबी दमेरा घाटी में तीन घुमावदार मोड़ हैं।

बाक्साइट लोड ट्रक पलटा, एक की मौत

बलरामपुर जिले के कुसमी इलाके में ट्रक पलटने से एक क्लीनर की मौत हो गई। बताया गया है कि ट्रक का ड्राइवर सोमवार को बाक्साइट लेकर सामरी से झारखंड जाने के लिए निकला।

इस दौरान जामटोली के पास ब्रेक फेल होने से ट्रक अनियंत्रित हो गया। ड्राइवर व क्लीनर चंदीप पाल (23 वर्ष) ट्रक से कूद। चंदीप ट्रक के चक्के के नीचे आ गया और घायल हो गया। ड्राइवर द्वारा उसे पास के अस्पताल ले जाया गया। यहां से डाक्टर द्वारा हायर सेंटर रेफर किया गया।

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा सराफा व्यापारियों की बैठक आयोजित, सुरक्षा सुदृढ़ीकरण पर जोर

कांकेर, 27 फरवरी (एजेंसी)। थाना सिटी कोतवाली कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा शहर में संचालित सराफा व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। बैठक का आयोजन पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर योगेश साहू एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) कांकेर मोहसिन खान उपस्थित रहे। बैठक में शहर के विभिन्न सराफा प्रतिष्ठानों के संचालकों ने भाग लिया।दुकानों में कार्यरत सभी कर्मचारियों का आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं पूर्ण पते का सत्यापन कर रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश।दुकान के अंदर, बाहर एवं पीछे सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने तथा रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने की हिदायत।दुकान खोलने एवं बंद करने के समय नकदी एवं लॉकर की विशेष सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश।प्रत्येक प्रतिष्ठान में सायरन/अलार्म सिस्टम लगाने की सलाह।त्वरित सूचना आदान-प्रदान के लिए सभी सराफा व्यापारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश।किसी भी संदिग्ध व्यक्ति द्वारा चोरी या संदिग्ध आभूषण बेचने के प्रयास की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील।व्यापारियों को साइबर फ्रॉड से बचाव एवं सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।पुलिस की अपीलपुलिस अधिकारियों ने कहा कि अपराध की रोकथाम पुलिस और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। समय पर दी गई सूचना बड़े अपराधों को रोकने में सहायक सिद्ध हो सकती है। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना हेतु जिला पुलिस उत्तर बस्तर कांकेर द्वारा अपराधिक हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 संचालित किया जा रहा है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है।

कबीरधाम में 5 करोड़ का गांजा जब्त, कंटेनर सहित एक तस्कर गिरफ्तार

कबीरधाम, 27 फरवरी (एजेंसी)। कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 5 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया है। यह कार्रवाई चिल्फी थाना पुलिस द्वारा की गई, जिसमें नागालैंड नंबर के एक कंटेनर को पकड़ा गया।पुलिस को जांच के दौरान कंटेनर में छिपाकर रखी गई गांजे की बड़ी खेप मिली। वाहन से 30-30 किलो की 30 बोरियों में भरा लगभग 9 क्विंटल (करीब 900 किलो) गांजा बरामद किया गया। जब्त किए गए कंटेनर की कीमत भी लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है। मौके से पुलिस ने आरोपी आयाज खान, निवासी भरतपुर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि वह यह गांजा ओडिशा से राजस्थान ले जा रहा था। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ऑनलाइन सट्टा खिलाते युवक को रंगे हाथ गिरफ्तार

धमतरी, 27 फरवरी (एजेंसी)।जिले में जुआ, अवैध शराब एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत धमतरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना रुद्री एवं साइबर टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक युवक को ऑनलाइन सट्टा संचालित करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देश पर जिले में सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना रुद्री को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मरादेव गंगरेल स्थित ग्रीन रिसॉर्ट के पास एक व्यक्ति ऑनलाइन सट्टा चला रहा है। सूचना मिलते ही थाना रुद्री एवं साइबर टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी भविष्य गंगवानली 19 वर्ष्ज़्त्र निवासी धमतरी को अपने मोबाइल फोन के माध्यम से यूजर आईडी बनाकर चल रहे क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन ऐप के जरिए हार-जीत का दांव लगवाते हुए पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ थाना रुद्री में अपराध क्रमांक 05/26 के तहत धारा 7 छत्तीसगढ़ जुआ अधिनियम 2022 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। बाद में उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कुल 17 लाख की संपत्ति जब्त किया है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व थाना भखारा पुलिस द्वारा जुआ-सट्टा प्रकरण में पांच जुआरियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 26,000 नगद राशि जप्त की गई थी।

बिलासपुर में मोबाइल टॉवर लगाने का मामल गूंजा

रायपुर, 27 फरवरी (एजेंसी)।भाजपा के सुशांत शुक्ला ने बिलासपुर में मोबाइल टॉवरों के लिए आवेदन तथा अनुचित तरीके से लगाए गए टॉवरों के विरूद्ध आपत्ति को लेकर प्रश्न पूछा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि इन टॉवरों को लगाने से रेडिएशन का कोई खतरा नहीं रहता। भारत सरकार के राईट वे पोर्टल के माध्यम से अनुमति दी जाती है। भूति सम्पत्ति टॉवर लगाने पर आपत्ति स्वीकार करने का प्रावधान नहीं है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा, कोर्ट ने सुनाया कड़ा फैसला

दंतेवाड़ा, 27 फरवरी (एजेंसी)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर अर्थदंड भी लगाया गया है। मामला बचेली थाना क्षेत्र का है, जहां एक नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म की घटना सामने आई थी।प्रकरण के अनुसार 16 वर्ष 2 माह की बालिका 6 फरवरी 2024 को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, जिसके बाद वह लापता हो गई। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी दलसिंह राजपूत उर्फ ढालसिंग (28 वर्ष), निवासी जिला झाबुआ (मध्यप्रदेश), उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था।मामले में अपहरण का अपराध दर्ज कर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। विशेष टीम को गुजरात भेजा गया, जहां 19 फरवरी 2024 को जिला आनंद के बोरसद क्षेत्र से नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। जांच पूरी होने के बाद मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

फास्ट ट्रैक कोर्ट, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा ने सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नाबालिगों के खिलाफ अपराधों में सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

रायगढ़ में एक ही रात में मकान-दुकान में चोरी:जेवरात और राशन सामग्री पर हाथ साफ किया,नाबालिग समेत 3 आरोपी अरेस्ट

रायगढ, 27 फरवरी (एजेंसी)।छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक ही रात अज्ञात चोरों ने मकान और राशन दुकान को निशाना बनाया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू की और नाबालिग सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया।मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम नवापारा टेण्डा के रहने वाले मनीष महंत (22) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार देर रात वह घर पर नहीं था। घर में उसकी बहन और मामी मौजूद थीं।इसी दौरान अज्ञात चोर घर में घुसे और अलमारी में रखे करीब 35 हजार के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। सुबह अलमारी खुली और सामान बिखरा मिला, जिसके बाद घटना की सूचना

थाने में दी गई।

उसी रात नवापारा टेण्डा निवासी संजय महाराज (50) अपनी राशन दुकान बंद कर घर चले गए थे। सोमवार सुबह दुकान खोलने पर पीछे का दरवाजा टूटा मिला।दुकान से साबुन, तेल, क्रीम, पेस्ट, हेयर ऑयल, शैम्पू, फेसवॉश, ष्ट्ररु बल्ब, टिफिन बॉक्स सहित करीब 15 हजार का सामान गायब था। उन्होंने भी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। संदेह के आधार पर नवापारा टेण्डा निवासी 25 वर्षीय ओमप्रकाश अगरिया और एक नाबालिग को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने मकान और राशन दुकान में चोरी करना स्वीकार कर लिया।आरोपी ओमप्रकाश अगरिया ने चोरी की चांदी की पायल को बसीर कॉलोनी, घरघोड़ा स्थित आरजी ज्वेलर्स के संचालक गौतम मंडल (40) को बेचने की बात कबूल की। इसके बाद पुलिस ने गौतम मंडल को भी गिरफ्तार कर लिया।

45 हजार की संपत्ति बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का राशन सामान, नाबालिग के पास से बेची गई संपत्ति की नकद राशि और ज्वेलर्स के पास से चोरी के जेवर बरामद किए। कुल मिलाकर 45 हजार की संपत्ति जब्त की गई है।

भेड़ और नगदी लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, एक अब भी फरारा

दुर्ग,27 फरवरी (एजेंसी)। जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई भेड़ और घटना में प्रयुक्त स्कूटी वाहन भी बरामद कर लिया है।जानकारी के अनुसार, 22 फरवरी 2026 को प्रार्थी मोहम्मद अशरफ उर्फ सुल्तान कुरैशी ग्राम अकोला कपासबाड़ी से भेड़ खरीदकर मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पंचदेवरी तिराहा के पास कच्चे मार्ग पर स्कूटी सवार तीन युवकों ने उनका पीछा कर झपटमारी करते हुए एक भेड़ और 5 हजार रुपये नकद लूट लिए और फरार हो गए।घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर दो आरोपियों—राजू बेलदार और राकेश सोरी—को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद पुलिस ने उनके पास से लूटी गई भेड़ और स्कूटी जब्त कर ली।पुलिस ने बताया कि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में कुम्हारी थाना पुलिस और एसीसीयू टीम की अहम भूमिका रही।दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।म्मद अशरफ उर्फ सुल्तान कुरैशी ग्राम अकोला कपासबाड़ी से भेड़ खरीदकर मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पंचदेवरी तिराहा के पास कच्चे मार्ग पर स्कूटी सवार तीन युवकों ने उनका पीछा कर झपटमारी करते हुए एक भेड़ और 5 हजार रुपये नकद लूट लिए और फरार हो गए।घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर दो

पड़ोसी के हमले में मासूम समेत तीन की हत्या, दो गंभीर घायल

सारंगढ़-बिलाईगढ़, 24 फरवरी (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां डोंगरीपाली थाना क्षेत्र में एक पड़ोसी ने घरेलू विवाद के चलते एक ही परिवार पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में एक मासूम बच्चे सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।जानकारी के अनुसार, घटना सुबह उस समय हुई जब परिवार के सदस्य अपने घर में सो रहे थे। आरोपी ने अचानक घर में घुसकर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई। हमला इतना घातक था कि तीन लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल दो लोगों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि आरोपी और पीड़ित परिवार के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में हत्या का अपराध दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और वे आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

21 लाख का गांजा और पिस्टल के साथ पकड़ाए तस्कर: ओडिशा से जगदलपुर में कर रहे थे तस्करी, पुलिस ने बीच रास्ते ही पकड़ा

जगदलपुर, 27 फरवरी (एजेंसी)। ओडिशा से गांजा की बड़ी खेप लेकर जगदलपुर सप्लाई करने आ रहे अंतरराज्यीय गिरोह के 2 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्करों के कब्जे से 42.431 किलो गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत लगभग 21.21 लाख रुपए है। साथ ही एक देसी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और इनोवा जब्त किया गया है।

मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 23 फरवरी की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा की ओर से एक सिल्वर रंग की इनोवा (ह्रष्02ञ्य8007) में 2 व्यक्ति अवैध गांजा लेकर जगदलपुर की ओर आ रहे हैं।

भागने की कोशिश सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच-63 पर आड़ावाल स्थित बरगद पेड़ के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध इनोवा को रोका गया। वाहन में सवार दोनों व्यक्ति पूछताछ के दौरान घबराने लगे और भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।पूछताछ में उन्होंने अपना नाम बाल्बो उर्फ बल्लब भत्तरा (40) निवासी जिला नबरंगपुर (ओडिशा) और दूसरे ने अपना नाम अमरज्योति हिरन (44) निवासी नबरंगपुर (ओडिशा) बताया।8 पैकेट में 42 किलो गांजा बरामदएक्ट के प्रावधानों के तहत वाहन की तलाशी लेने पर पीछे की सीट में भूरे टेप से लिपटे 8 पैकेट बरामद हुए। इनमें कुल 42.431 किलो गांजा मिला, जिसकी कीमत 21 लाख 21 हजार 550 रुपए थी। साथ ही एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए।

पुलिस ने गांजा, हथियार, 2,200 रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और करीब 11 लाख रुपए कीमत की इनोवा वाहन को जब्त किया। 24 फरवरी को दोनों को विशेष न्यायालय जगदलपुर में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 23 फरवरी की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा की ओर से एक सिल्वर रंग की इनोवा (ह्रष्02ञ्य8007) में 2 व्यक्ति अवैध गांजा लेकर जगदलपुर की ओर आ रहे हैं।

भागने की कोशिश सूचना पर पुलिस टीम ने एनएच-63 पर आड़ावाल स्थित बरगद पेड़ के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

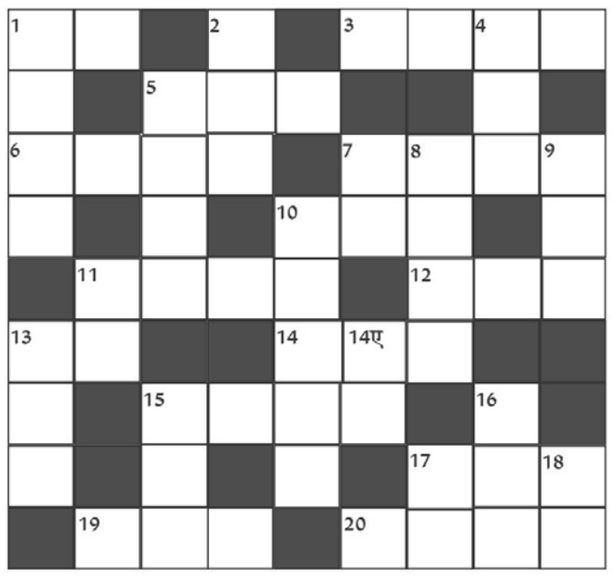

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

ब्रूक के शतक की बदौलत इंग्लैंड पहुंचा सेमीफाइनल में, पाकिस्तान को 2 विकेट से दी मात

नईदिल्ली,27 फरवरी (एजेंसी)। कप्तान हैरी ब्रूक के शानदार शतक की बदौलत इंग्लैंड ने 165 रनों के लक्ष्य को 8 विकेट खोकर 20वें ओवर में चेस कर लिया. जिसके साथ वो सुपर 8 के ग्रुप टू से टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई.वहीं इस हार की वजह से पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता मुश्किल हो गया है और उसे अब दूसरे मैचों के नतीजों पर निर्भर होना पड़ेगा. क्योंकि अब उसका आखिरी सुपर 8 मैच श्रीलंका के खिलाफ है. जिसको जीतना होगा और फिर उसे न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के मैच के नतीजों का इंतजार करना होगा.पल्लेकेले में खेले गए मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 164 रन बनाए. जिसमें साहिबजादा फरहान ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए. इसके अलावा बाबर आजम 25, फखर जमान 25 और शादाब खान ने 23 रन बनाए. इंग्लैंड की तरफ से लियाम डॉसन सबसे सफल गेंदबाज रहे उन्होंने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए. इसके अलावा जोफ्रा आर्चर और जेमी ओवर्टन को 2-2 विकेट मिला.वहीं 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत काफी खराब रही और उसने 58 पर ही अपने 4 बड़े विकेट खो दिए. लेकिन नंबर तीन पर पहली बार बल्लेबाजी करने आए कप्तान हैरी ब्रूक ने 51 गेंदों नें शानदार 100 रन बनाकर पाकिस्तान से मैच छीन लिया. उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और 4 छक्के लगाए. जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड भी दिया गया.हैरी ब्रूक के अलावा सैम करन ने 16 और विल जैक्स ने 28 रनों की पारी खेली. इन तीनों खिलाड़ियों को अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाजी दोहरे अंक तक नहीं पहुंच

महिला टी-20 विश्व कप 2026 : 12 जून से शुरू होगा टूर्नामेंट, भारत-पाकिस्तान मुकाबला 14 जून को

नईदिल्ली,27 फरवरी (एजेंसी)। महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन इंग्लैंड की मेजबानी में होने जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इसके शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। इसकी शुरुआत 12 जून से होगी और कुल 33 मैच खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी। बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड ने महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर से अपनी जगह बनाई है। पहला मुकाबला इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में होगा।भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ एजबेस्टन में खेलेगी। इसके बाद टीम 17 जून को नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ हेडिंग्ले में दूसरा मुकाबला खेलेगी। तीसरा मैच 21 जून को दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा। चौथा मुकाबला 25 जून को बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम से इसी मैदान पर खेला जाएगा। वहीं, ग्रुप चरण का आखिरी मैच 28 जून को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ होगा। सभी 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-1 में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड की टीम है। ग्रुप-2 में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम है। ये टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा। पिछला टी-20 विश्व कप साल 2024 में खेला गया था, फाइनल में न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला द ओवल के मैदान पर 30 जून को खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 2 जुलाई को द ओवल के ही मैदान पर होगा। फाइनल मैच 5 जुलाई को लॉर्डस क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।टूर्नामेंट के दूसरे दिन (13 जून) 3 मुकाबले होंगे। 2 मैच ओल्ड ट्रैफर्ड और 1 मैच हैम्पशायर में खेला जाएगा। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया ने 6 बार ये ट्रॉफी जीती है।

टी20 विश्वकप से बाहर हुआ मेजबान श्रीलंका, न्यूजीलैंड ग्रुप-2 में दूसरे स्थान पर, पाककी राह हुई कठिन

कोलंबो ,27 फरवरी (एजेंसी)।न्यूजीलैंड ने बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में 61 रन से जीत दर्ज की। इस हार के साथ श्रीलंकाई टीम खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है।

मिचेल सैंटनर और कोल मैककोन्की की अर्धशतकीय साझेदारी के बाद रचिन रवींद्र की शानदार गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबान श्रीलंका टीम को 61 रन से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया। अब टीम अपना आखिरी मुकाबला पाकिस्तान से खेलेगी। बुधवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में सात विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर सिर्फ 107 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। श्रीलंका की उम्मीदें खत्म, पाकिस्तान का सफर भी समाप्त

सुपर-8 मुकाबले में जीत के साथ न्यूजीलैंड ग्रुप-2 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। उसके खाते में 3 अंक और नेट रन रेट +3.050 हो गया। वहीं, इंग्लैंड चार अंक लेकर शीर्ष पर है। अब न्यूजीलैंड को सुपर-8 में अपना आखिरी मुकाबला इंग्लैंड से शुक्रवार को खेलना है। श्रीलंका की टीम लगातार दो मैचों में शिकस्त झेलने के बाद आखिरी पायदान

पर पहुंच गई। वहीं, पाकिस्तान फिलहाल एक अंक और -0.461 के नेट रन रेट के रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 41 रन जोड़े। रचिन ने 22 गेंदों में 32 रन बनाए।

हालांकि, 84 रन तक पहुंचते-पहुंचते न्यूजीलैंड ने छह विकेट गंवा दिए थे और टीम मुश्किल में दिख रही थी।

ऐसे में कप्तान मिचेल सेंटनर (47 रन) और कोल मैककोन्की (नाबाद 31 रन) ने शानदार साझेदारी की। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 47 गेंदों में 84 रन जोड़कर टीम को 168 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

श्रीलंका की ओर से महेश तीक्षणा और दुष्मंथा चमीरा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि दुनिथ वेल्लागे को एक सफलता मिली।श्रीलंका की पारी169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही गेंद पर पथुम निसांका बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद चरिथ असलांका भी जल्दी पवेलियन लौट गए।कुसल मेंडिस ने 31 रन की पारी खेलकर कुछ संघर्ष जरूर दिखाया। पवन रत्नायके ने 10 और डुनिथ वेललेज ने 29 रन बनाए, लेकिन टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही।पूरी टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट पर सिर्फ 107 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 27 रन देकर 4 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' बने।मैट हैनरी ने 2 विकेट लिए, जबकि कप्तान सेंटनर को 1 सफलता मिली।इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं, जबकि मेजबान श्रीलंका का सफर यहीं समाप्त हो गया।

अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंमचेल सैंटनर और कोल मैककोन्की की अर्धशतकीय साझेदारी के बाद रचिन रवींद्र की शानदार गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबान श्रीलंका टीम को 61 रन से हरा दिया।

टी-20 विश्व कप 2026: साहिबजादा फरहान ने इंग्लैंड के खिलाफ लगाया अर्धशतक

नईदिल्ली ,27 फरवरी (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2026 के 45वें मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच में अर्धशतक (63) लगाया। यह उनका मौजूदा संस्करण में दूसरा अर्धशतक साबित हुआ। उनकी इस पारी की मदद से पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों के बाद 164/9 का स्कोर बनाया। आइए फरहान की पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने सैम अयूब (7) और सलमान आगा (5) जल्दी आउट हुए। इसके बाद फरहान ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 37 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वह 45 गेंदों में 63 रन बनाकर जेमी ओवरटन की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 2 छक्के लगाए। इस बीच फरहान ने फखर जमान के साथ मिलकर 49 रन की साझेदारी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 37 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। वह 45 गेंदों में 63 रन बनाकर जेमी ओवरटन की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चौके और 2 छक्के लगाए। इस बीच फरहान ने फखर जमान के साथ मिलकर 49 रन की साझेदारी की।

व्यापार

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर 20 प्रतिशत टूटने से सरकार को 1,100 करोड़ रुपये का नुकसान

नईदिल्ली ,27 फरवरी (एजेंसी)।(एजेंसी)।शेयर बाजार में आज (23 फरवरी) आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। आईडीएफसी शेयर करीब 20 प्रतिशत टूटने के कारण सरकार को आज एक ही दिन में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। शेयर एनएसई पर करीब 10 प्रतिशत गिरावट के साथ खुला और बाद में 20 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इस तेज गिरावट से लाखों निवेशकों और बड़े संस्थागत शेयरधारकों की संपत्ति में भी बड़ा नुकसान दर्ज किया गया। शेयर में यह गिरावट बैंक द्वारा 590 करोड़ रुपये के कथित फ्रॉड की जानकारी सामने आने के बाद आई है। बैंक ने बताया कि चंडीगढ़ की एक शाखा में कुछ कर्मचारियों द्वारा अनधिकृत लेनदेन किया गया। खाते बंद करने की प्रक्रिया के दौरान रकम में गड़बड़ी सामने आई। बैंक ने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है और स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट शुरू कर दिया है, ताकि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक, यह संदिग्ध रकम बैंक के आगामी वित्त वर्ष के मुनाफे पर असर डाल सकती है। हालांकि, बैंक की कुल नेटवर्थ पर असर सीमित रहने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही हरियाणा सरकार ने बैंक को डिपॉजिट रखने की सूची से बाहर कर दिया है।इससे निजी बैंकों में सरकारी जमा को लेकर निगरानी बढ़ने की आशंका है, जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई है।शेयर में आई इस बड़ी गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में करीब 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई है।

सोने-चांदी की कीमतों में सुनामी! एक ही दिन में 13,000 की ऐतिहासिक तेजी

मुंबई,27 फरवरी (एजेंसी)। (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी डॉलर की कीमतों में आई भारी गिरावट के चलते आज भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी गई. सोमवार को घरेलू बाजार (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी के भाव रिकॉर्ड स्तर की ओर बढ़ते नजर आए.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल वायदा सोने की कीमतों में 1.83 प्रतिशत की बढ़त देखी गई, जिससे यह 1,59,749 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया. इंट्रा-डे ट्रेडिंग के दौरान इसमें 2 प्रतिशत तक का उछाल दर्ज किया गया था. वहीं, चांदी ने और भी आक्रामक रुख दिखाया. चांदी का मार्च वायदा 5.10 प्रतिशत की छलांग लगाकर 2,65,836 रुपये प्रति किलोग्राम पर जा पहुंचा. दिन के शुरुआती कारोबार में चांदी में 6 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई थी.सोमवार को एमसीएक्स पर चांदी का मार्च वायदा ?2,52,836 (शुक्रवार की क्लोजिंग) से बढ़कर ?2,65,836 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया. यह सीधा ?13,000 का भारी अंतर है. मोतीलाल ओसवाल के अनुसार, इंट्रा-डे में यह तेजी 6 प्रतिशत तक चली गई थी.बाजार विश्लेषकों का मानना है कि इस तेजी का सबसे बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को सार्थक समझौते के लिए दी गई 10 दिनों की समय सीमा समाप्त होने वाली है. हालांकि ईरान ने प्रतिबंधों को

हटाने के बदले परमाणु कार्यक्रम पर रियायत देने के संकेत दिए हैं, लेकिन युद्ध की आशंका ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की ओर धकेल दिया है.अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ (शुल्कों) के एक बड़े हिस्से को रद्द करने के फैसले के बाद डॉलर इंडेक्स में गिरावट आई है. डॉलर कमजोर होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना सस्ता हो जाता है, जिससे इसकी मांग बढ़ जाती है.मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी की वैश्विक आपूर्ति में भारी कमी देखी जा रही है. कॉमेक्स जैसे बड़े गोदामों से इन्वेंट्री में बड़ी गिरावट आई है, जबकि चीन के बाजार बंद होने से मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ गया है.अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर चौथी तिमाही में गिरकर 1.4 प्रतिशत रह गई है, जो पिछली तिमाहियों (4.4 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत) के मुकाबले काफी कम है. आर्थिक सुस्ती के डर ने भी सोने की चमक बढ़ा दी है.बाजार की नजर अब अमेरिका के फैक्ट्री ऑर्डर्स, उपभोक्ता विश्वास सूचकांक और प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स के आंकड़ों पर है. विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक भू-राजनीतिक स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक कीमती धातुओं में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा. सोने के लिए 1,60,600 रुपये और चांदी के लिए 2,63,620 रुपये प्रमुख रेजिस्टेंस स्तर बने हुए हैं.

बिटकॉइन में ऐतिहासिक महाक्रैश, 40 प्रतिशत से अधिक टूटा भाव, खरीदार बाजार से नदारद

नई दिल्ली ,27 फरवरी (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है. पिछले कुछ हफ्तों में बिटकॉइन की कीमतों में जो सुनामी आई है, उसने निवेशकों के अरबों डॉलर स्वाहा कर दिए हैं. ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बिटकॉइन अपने हालिया उच्चतम स्तर से 40त्न से अधिक गिर चुका है. लेकिन बाजार के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय कीमत की गिरावट नहीं, बल्कि खरीदारों की चुप्पी है.ब्लूमबर्ग की एक ताजा रिपोर्ट ने क्रिप्टोकरेंसी बाजार की पोल खोल दी है. आमतौर पर जब भी बिटकॉइन की कीमतों में गिरावट आती है, तो निवेशक बाय द डिप की रणनीति अपनाते हैं और निचली कीमतों पर खरीदारी शुरू कर देते हैं. लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल उलट है. गिरावट के बावजूद खरीदार गायब हैं और बाजार में कोई बड़ा सपोर्ट नजर नहीं आ रहा है. विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों का भरोसा डगमगा गया है, जिससे बाजार में वापसी की उम्मीदें धुंधली पड़ती जा रही हैं.निवेशकों की इस बेरुखी को आंकड़ों से भी समझा जा सकता है. पिछले तीन महीनों में अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से लगभग 3.3 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) की भारी निकासी हुई है. यह संकेत देता है कि संस्थागत निवेशक अब डिजिटल एसेट से अपना हाथ खींच रहे हैं.एकेडियन एसेट मैनेजमेंट के पोर्टफोलियो मैनेजर ओवेन लैमोंट के अनुसार, बिटकॉइन की पूरी चमक उसकी बढ़ती कीमतों और उसके इर्द-गिर्द बुनी गई कहानियों पर आधारित थी. अब जब कीमतें तेजी से गिर रही हैं, तो वह भरोसा टूट रहा है. बिटकॉइन का कोई आंतरिक मूल्य नहीं होने के कारण, यह पूरी तरह से नए खरीदारों के प्रवेश पर निर्भर करता है. वर्तमान में, खुदरा निवेशक भारी घाटे में हैं और नई एंट्री लेने से डर रहे हैं.सेवन्स रिपोर्ट के प्रेसिडेंट टॉम एस्से ने भी बिटकॉइन को लेकर बड़ी बात कही है. उन्होंन कहा कि, लोग समझ रहे हैं कि बिटकॉइन वही है जो वह हमेशा से रहा है यानी एक सट्टा निवेश. बिटकॉइन सोने की जगह नहीं ले रहा है और यह डिजिटल गोल्ड नहीं है. यह न तो सोने जैसा काम करता है और न ही उसके जैसी उपयोगिता है.दूसरे शब्दों में कहें, तो यह महंगाई से बचाव का साधन नहीं है. एस्से के मुताबिक, सच में इससे बेहतर महंगाई से बचाव के दूसरे कई साधन मौजूद हैं, जहां आपको अस्थिरता की चिंता करने की जरूरत ही नहीं है.निवेशकों की इस बेरुखी को आंकड़ों से भी समझा जा सकता है. पिछले तीन महीनों में अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से लगभग 3.3 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपये) की भारी निकासी हुई है. यह संकेत देता है कि संस्थागत निवेशक अब डिजिटल एसेट से अपना हाथ खींच रहे हैं.एकेडियन एसेट मैनेजमेंट के पोर्टफोलियो मैनेजर ओवेन लैमोंट के अनुसार, बिटकॉइन की पूरी चमक उसकी बढ़ती कीमतों और उसके इर्द-गिर्द बुनी गई कहानियों पर आधारित थी. अब जब कीमतें तेजी से गिर रही हैं, तो वह भरोसा टूट रहा है. बिटकॉइन का कोई आंतरिक मूल्य नहीं होने के कारण, यह पूरी तरह से नए खरीदारों के प्रवेश पर निर्भर करता है. नवेशकों की इस बेरुखी को आंकड़ों से भी समझा जा सकता है. पिछले तीन महीनों में अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से लगभग 3.3 अरब (करीब 30,000 करोड़ रुपये)

शेयर बाजार की जोरदार शुरुआत, यूएस कोर्ट के फैसले से बाजार गदगद, सेंसेक्स 83,375 पर खुला

मुंबई,27 फरवरी (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते की शुरुआत शानदार रही. सोमवार सुबह सेंसेक्स और निफ्टी ने जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत की, जिससे निवेशकों के चेहरे खिल उठे. बाज़ार की इस रौनक के पीछे सबसे बड़ी वजह अमेरिका से आई एक बड़ी खबर है, जिसने ग्लोबल मार्केट का मूड बदल दिया है.सुबह 9:25 बजे के करीब, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 563 अंक उछलकर 83,375 के स्तर पर पहुंच गया. वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 170 अंकों की तेजी के साथ 25,741 पर ट्रेड करता दिखा. बाजार के जानकारों का कहना है कि निफ्टी ने 25,700 के कड़े रेजिस्टेंस लेवल को पार कर लिया है, जो एक सकारात्मक संकेत है.बाजार में इस तेजी का मुख्य ट्रिगर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला है. कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए यूनिवर्सल टैरिफ के फैसले को रद्द कर दिया है. ट्रंप ने कई देशों से आने वाले सामानों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की थी, जिससे भारतीय कंपनियों (खासकर ऑटो और मेटल सेक्टर) पर बुरा असर पड़ने की आशंका थी. अब कोर्ट के इस हस्तक्षेप से ट्रेड वॉर का खतरा कम हो गया है, जिसका सीधा फायदा भारतीय बाजार को मिल रहा है.बाजार विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप टैरिफ पर रोक लगना भारत के लिए बड़ी राहत है, लेकिन लंबी अवधि की तेजी के लिए ग्लोबल फैक्टर्स पर नजर रखना जरूरी होगा. निफ्टी के लिए 25,370 अब एक मजबूत सपोर्ट का काम करेगा.कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए यूनिवर्सल टैरिफ के फैसले को रद्द कर दिया है. ट्रंप ने कई देशों से आने वाले सामानों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की थी, जिससे भारतीय कंपनियों (खासकर ऑटो और मेटल सेक्टर) पर बुरा असर पड़ने की आशंका थी. अब कोर्ट के इस कम हो गया है,

रंगोत्सव पर चंद्रग्रहण का साया, पर्व के दिन को लेकर संशय

० बाजार में सजने लगी रंग-गुलाल की दुकानें

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रंगोत्सव पर चंद्रग्रहण के कारण होली पर्व के दिन को लेकर संशय बना हुआ है। पर्व कब मनाना है, इसे लेकर अलग-अलग समाज का अलग-अलग मत है।

वहीं समाज का एक ऐसा वर्ग भी है, जो अपनों से दूर रहते हुए सामाजिक रीति-नीति के बंधनों से मुक्त होकर परंपरागत तिथि पर ही पर्व मनाने पर विश्वास रखता है। होलिका दहन शासकीय अवकाश व कैलेंडर में घोषित तिथि के अनुसार 3 मार्च को है। 4 मार्च को रंग-गुलाल खेला जाएगा।

होली त्योहार में 3-4 दिन ही रह गए हैं। ऐसे में होली सामग्रियों की दुकानें चौक-चौराहों, साप्ताहिक बाजारों में सजने लगी हैं। यहां रंग-गुलाल से लेकर मुखौटे-पिचकारी आदि उपलब्ध हैं। खरीदारी करने वालों का उत्साह शुक्रवार व शनिवार से बाजार में दिखना शुरू हो जाएगा। लोग बच्चों व बड़ों के अनुसार उत्सव की खरीदारी में जुटेंगे। शहर में - निहारिका, बुधवारी, टीपी नगर, 5 पुराना बस स्टैंड, सीतामढ़ी क्षेत्र में 5 दुकानें सजकर तैयार हैं। यहां चहल-पहल बढ़नी शुरू हो गई है। 3 मार्च की शाम को चंद्रग्रहण व सुबह से सूतक लग रहा है। इसके कारण अग्रवाल समाज के लोग सामूहिक रूप से होलिका दहन 2 मार्च की रात 12 से 1 बजे के बीच करेंगे। इसी दिन सुबह दिन में ठंडी होलिका पूजन का विधान भी पुराना बस स्टैंड पर होगा। रंग-गुलाल की मस्ती व समाज का होली मिलन समारोह अग्रसेन भवन कोरबा में 4 मार्च को होगा। राजपूत क्षत्रिय समाज 3 मार्च को होलिका दहन करेगा। 4 मार्च को रंग-गुलाल खेला जाएगा। बाबूलाल कैलेंडर के अनुसार होलिका दहन चंद्रग्रहण का काल समाप्त होने के बाद रात 8 बजे के बाद होगा, जिसमें समाज के लोग शामिल होंगे। होली जलाने व खेलने को लेकर समाज में कोई उलझन नहीं है। समाज के रामजानकी मंदिर के पुजारी का भी यही मानना है।महाराष्ट्र मंडल के उत्सव-मुहूर्त आदि से संबंधित कैलेंडर काल निर्णय के अनुसार 2 मार्च की शाम 5:55 बजे पूर्णिमा प्रारंभ हो रही है, जो 3 मार्च की शाम 5:09 बजे समाप्त हो रही है। इसलिए होलिका दहन 2 मार्च को और धूली वंदन 3 मार्च को होगा। महाराष्ट्रीयन समाज के लोग इसी कैलेंडर को महत्व देते हैं। इसलिए तिथि को लेकर कोई संशय नहीं है। सर्व आदिवासी समाज द्वारा होली का पर्व 3 व 4 को मार्च को मनाया जाएगा। इसकी तैयारी घर-घर में शुरू कर दी गई है। समाज के लोग पंचांग को मानते हैं। चंद्रग्रहण के कारण जो अवरोध आ रहा है, उसकी अवधि पूर्ण होने के बाद 3 मार्च की रात को होलिका दहन किया जाएगा। समाज के लोगों में त्योहार को लेकर कोई भ्रम नहीं है।

निर्माणाधीन वॉच टावर में चढ़कर काम कर रहा मजदूर गिरा

आनन फानन में कराया गया अस्पताल दाखिल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। निर्माणाधीन वॉच टावर में करीब 15 मीटर ऊपर चढ़कर काम कर रहा राजमिस्त्री असंतुलित होकर सेंकेड फ्लोर की सीढ़ी में गिर गया। घटना में राजमिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। यह खबर मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा और घायल राजमिस्त्री को आनन फानन कोसाबाड़ी स्थित निजी अस्पताल में दाखिल कराया, जहां उसका उपचार जारी है।

घटना गुरूवार की शाम घटित हुई। दरअसल कोरबा वनमंडल में हाथियों की आमदरफ्त बनी रहती है। इसके अलावा गर्मी के करीब आते ही आग लगने की घटनाएं अचानक बढ़ जाती है। वन कर्मियों को हाथियों की निगरानी और जंगल में लगने वाली आग की मॉनिटरिंग में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन तमाम समस्याओं के मद्देनजर कोरबा वनमंडल में वॉच टावर का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें कोरबा रेंज भी शामिल है।

यहां भुलसीडीह बेरियर से आमाडांड़ के बीच सड़क से थोड़ी दूर वॉच टावर तैयार किया जा रहा है। जिसमें ठेकेदार के द्वारा प्रतिदिन की तरह मजदूर लगाए गए थे, जो करीब 15 मीटर ऊंचाई में चढ़कर वॉच टावर में पैराफीट की जोड़ाई कर रहे थे। इसी दौरान राजमिस्त्री का काम करने वाले आमापाली भैसमा निवासी राजेश कुमार खड़िया 32 वर्ष ने संतुलन खो दिया। वह असंतुलित होकर सीधे वॉच टावर में सेकेंड फ्लोर की सीढ़ी में गिरकर लुढ़कते हुए नीचे गिर गया। घटना घटित होते ही मौके पर हडकंप मच गया। वॉच टावर के ऊपर काम कर रहे मजदूर नीचे उतरे। हादसे में राजेश गंभीर रुप से घायल हुआ था। जिसकी सूचना मजदूरों ठेकेदार के अलावा वन परिक्षेत्राधिकारी मृत्युंजय शर्मा को दी। रेंजर श्री शर्मा तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने विभागीय वाहन से घायल मजदूर को कोसाबाड़ी स्थित निजी अस्पताल ले आया, जहां उसका उपचार जारी है।

रेलवे लाइन के आसपास मवेशियों की आवाजाही रोकने चलाया जा रहा विशेष अभियान

रेलवे परिसर एवं पटरियों के आसपास मवेशी लाने पर होगी कड़ी कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रेलवे प्रशासन द्वारा सुरक्षित एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिलासपुर मंडल के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों व रेलवे लाइनों के आसपास मवेशियों की आवाजाही रोकने विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे नियमों के अनुसार रेलवे स्टेशन परिसर, रेलवे ट्रैक एवं उसके आसपास मवेशियों को लाना अथवा खुला छोड़ने से मवेशी रेलवे ट्रैक पर आ जाने के कारण रेलगाडी से टकराने के कारण होने वाली दुर्घटना से यात्रियों की सुरक्षा में संकट उत्पन्न होता है, जो अपराध की श्रेणी में आता है। इससे ट्रेनों के सुरक्षित संचालन, समयपालन तथा यात्रियों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंडल द्वारा प्रभावित स्थानों पर पशुपालकों, चरवाहों तथा मवेशियों के मालिकों को समझाईश दी गई है इसके बाद भी उनके द्वारा लापरवाही बरतने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रेलवे प्रशासन सभी मवेशी मालिकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को रेलवे स्टेशन व रेलवे लाइनों के आसपास न आने दें। अन्यथा रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं ने रखा सुदशा दशमी लक्ष्मी व्रत, आंगन को सजाया

मंत्रोच्चार करते हुए मां लक्ष्मी की आराधना कर खीर, पूड़ी, फल, नारियल व अन्य मिठाई का लगाया भोग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गुरुवार को सुदशा दशमी लक्ष्मी व्रत पारंपरिक रीति-रिवाज और गहरी आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली। व्रत की तैयारियां एक दिन पूर्व से ही प्रारंभ हो गई थीं। महिलाओं ने अपने-अपने घरों, आंगन एवं पूजा स्थलों की साफ-सफाई कर उन्हें पवित्र किया। कई घरों में आंगन को गोबर से लीपकर शुद्ध किया गया, जिससे वातावरण में पारंपरिक सुगंध और पवित्रता का भाव व्याप्त हो गया।

गुरुवार की सुबह महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि से निवृत्त हुई और स्वच्छ वस्त्र धारण कर व्रत का संकल्प लिया। इसके बाद आंगन एवं पूजा स्थल में चावल के घोल से सुंदर अल्पना बनाई गई, जो समृद्धि और मंगल का प्रतीक मानी जाती है। पूजा स्थान पर विधिपूर्वक मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की गई। प्रतिमा को हल्दी मिश्रित जल से पखारकर शुद्ध किया गया तथा चंदन, अक्षत और पुष्प अर्पित कर तिलक लगाया गया। पूजा के दौरान महिलाओं ने विधि-विधान से मंत्रोच्चार करते हुए मां लक्ष्मी की आराधना की। खीर, पूड़ी, फल, नारियल एवं अन्य मिष्ठान का भोग लगाया गया। कई घरों में सामूहिक रूप से लक्ष्मी जी के भजन-कीर्तन भी किए गए, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। पंडितों ने बताया कि सुदशा व्रत अत्यंत विशेष और फलदायी माना जाता है। उन्होंने कहा कि जिस माह में दशमी तिथि गुरुवार के दिन पड़ती है, वही दिन मां लक्ष्मी की विशेष पूजा के लिए शुभ माना जाता है। इस वर्ष कई वर्षों बाद ऐसा शुभ संयोग बना था, जिसके

कारण व्रत का महत्व और भी बढ़ गया। श्रद्धालुओं ने इस दुर्लभ योग को अत्यंत शुभ मानते हुए विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दिन लहसुन और प्याज का सेवन पूरी तरह वर्जित रखा गया। सात्विक भोजन ही ग्रहण किया गया व रात्रि में चावल की रोटी बनाकर प्रसाद स्वरूप खाया गया। व्रत की विशेष परंपरा के अनुसार महिलाओं ने अपने पतियों के चरण पखारकर उनकी आरती उतारी और उनके दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। इस भावनात्मक परंपरा ने पारिवारिक एकता और सम्मान की भावना को और मजबूत किया। पूजा सम्पन्न होने के बाद परिवार के सभी सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण किया तथा पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच भी प्रसाद वितरित किया गया। इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश प्रसारित हुआ।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क पर दौड़ रहे रेत लोड भारी वाहन

पंतोरा-बिरदा-गंगदेई रोड पर लोगों का चलना मुश्किल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बिरदा, केसला, रंगबेल, सरईसिंगार के सरपंचों और जनपद सदस्य ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अवैध रेत परिवहन और भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायत के अनुसार पंतोरा-बिरदा-गंगदेई रोड पर लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। जन प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सड़क पर भी भारी वाहन चल रहे हैं। इस वजह से सड़क खराब हो गई है। कई बार ग्रामीण आंदोलन कर चुके हैं। इस सड़क पर पर रोजाना 100 से अधिक भारी वाहन बिना रॉयल्टी और अनुमति के रेत के साथ खनिज परिवहन करते हैं। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी होती है। इस संबंध में खनिज विभाग, परिवहन और तहसील कार्यालय में भी लिखित शिकायत की जा चुकी है। इसके बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। सड़क क्षतिग्रस्त होने का प्रभाव लोगों पर पड़ रहा है। खनिज माफिया भी सक्रिय है, जो ग्रामीणों से विवाद करते हैं। अवैध परिवहन रोकने के लिए इस सड़क पर स्थाई चौकी या चेक पोस्ट स्थापित किया जाना जरूरी है। मांग पूरी नहीं होने पर ग्रामीणों के साथ धरना आंदोलन किया जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने किया काम हड़ताल

कार्य बहिष्कार से केंद्रों में लटके ताले, दूसरे दिन भी आंदोलन रहा जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की दो दिवसीय हड़ताल के कारण गुरुवार को आंगनबाड़ी केंद्रों में ताले लटके रहे। शुक्रवार को भी दूसरे दिन आंदोलन जारी रहा। इससे नौनिहालों की पोषण आहार गतिविधि प्रभावित रही। गुरुवार सुबह 11 बजे आई टी आई तानसेन चौक रामपुर में हड़ताल की शुरुआत हुई। ब्लॉक स्तर पर भी आंदोलन किया गया। शुक्रवार को भी उन्होंने मांगों को पूरा करने आवाज बुलंद की।

कार्यकर्ता और सहायिकाएं तीन सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। उनका कहना है कि देश में आईसीडीएस योजना को लागू हुए 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं और विभाग स्वर्ण जयंती मना रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ताओं को अभी भी सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। उनका आरोप है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 के बाद से मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की है। वर्तमान में कार्यकर्ताओं को 4500 रुपए और सहायिकाओं को 2250 रुपए प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है, जो महंगाई के दौर में बेहद कम है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संयुक्त के प्रांतीय आह्वान पर 26 और 27 फरवरी को दो दिवसीय कार्य बहिष्कार किया गया। आंदोलनकारी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ये हैं प्रमुख मांगें

० शासकीयकरण व पदोन्नति: आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित कर्मचारी घोषित किया जाए और अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर पर्यवेक्षक पद पर विभागीय पदोन्नति दी जाए।

० जीने लायक वेतन: शासकीयकरण तक कार्यकर्ता को 26 हजार रुपए और सहायिका को 22,100 रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाए।

० सामाजिक सुरक्षा: सेवानिवृत्ति पर पेंशन, ग्रेच्युटी, समूह बीमा और असामयिक मृत्यु पर एकमुश्त सहायता राशि की व्यवस्था की जाए।

महामारी और एसआईआर के काम में अहम भूमिका

कार्यकर्ताओं ने बताया कि कोविड महामारी, निर्वाचन कार्य और एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी उनकी भूमिका रही है। इसके बावजूद शासकीयकरण, विभागीय पदोन्नति, पेंशन, ग्रेच्युटी, समूह बीमा, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और पारिवारिक दायित्वों के लिए अवकाश जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्ष 2026-27 के केंद्रीय और राज्य बजट में भी उनकी मांगों को शामिल नहीं किया गया, जिससे देशभर के करीब 28 लाख और छत्तीसगढ़ के लगभग एक लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं में आक्रोश है।

बकाया बिजली बिल वसूली में विभाग का छूट रहा पसीना

वसूली का टारगेट पूरा करने वितरण विभाग की टीम लगा रही पूरा जोर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विद्युत वितरण विभाग पर बकाया बिजली बिल का बोझ बढ़ता जा रहा है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को अब लगभग एक माह शेष रह गए हैं। ऐसे में वसूली का टारगेट पूरा करने वितरण विभाग की टीम पूरा जोर लगा रही है। बकायादारों के कनेक्शन विच्छेद कर सख्ती बरती जा रही है। शहर व ग्रामीण क्षेत्र में अलग-अलग टीम रोजाना पहुंच रही है। बकाया बिजली बिल वसूली में विभाग का पसीना छूट रहा है।

विद्युत वितरण विभाग की अलग अलग टीम इन दिनों अपने बकायदारों की लंबी फेहरिस्त लेकर सभी क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर रही है। टीम अधिक से अधिक बकाया राशि वसूलने में जुटी हुई है। सर्किल का कुल बकाया 400 करोड़ के पार जा पहुंचा है। वित्तीय वर्ष समाप्त होने की उल्टी गिनती शुरू भी हो चुकी है। ऐसे में शेष लगभग 33 दिनों में बकाया राशि को वसूलने के लिए विभाग को पूरा जोर लगाना पड़ेगा और प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ से अधिक की वसूली करनी होगी तब जाकर टारगेट पूरा होगा। जिले में विद्युत वितरण विभाग के बकायदारों की लंबी सूची है। बताया जाता है कि जिले में विद्युत वितरण विभाग का बकाया लगभग 435 करोड़ के लगभग जा पहुंचा है। इस राशि को वसूलने के लिए

प्रत्येक जोन में अलग-अलग टीम गठित की गई है और विद्युत वितरण विभाग की टीम लगातार वसूली करने का प्रयास भी कर रही है। अधिक से अधिक बकाया राशि वसूलने का काम कर रहे हैं। बताया जाता है कि शहर में ही 18 हजार बकायदार हैं। इन बकायदारों से वसूली के लिए शहर में ही 15 से अधिक टीम काम कर रही है और प्रतिदिन लाखों रुपए वसूली भी हो रही है, लेकिन यह लाखों की वसूली ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है। यदि विभाग को अधिक से अधिक वसूली कर टारगेट को पूरा करने में सफलता मिलती है तब जाकर बकाया वसूली में सफलता मिलेगी अन्यथा टारगेट को पूरा कर पाना मुश्किल नजर आ रहा है। विद्युत वितरण विभाग ने बकाया वसूली को लेकर पूरा जोर लगाया है। जनवरी महीने से बकाया राशि वसूली को लेकर शहरी क्षेत्र में तीन जोन में कुल 15 टीम बकायादारों की सूची लेकर लाइन डिस्कनेक्शन का काम कर रही है। जिसका नतीजा है कि जनवरी में शहर के तीनों जोन से 350 करोड़ की बकाया राशि वसूली की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि कोरबा शहर में ही बकाया लगभग 148 करोड़ रुपए है। इस राशि को वसूलने के लिए विभाग जुटा हुआ है। वित्तीय वर्ष समाप्त होने में मात्र 33 दिन ही शेष है ऐसे में विभाग का भरपूर प्रयास है कि अधिक से अधिक बकायदारों के घर पहुंच कर उनसे बकाया की राशि वसूली की जा सके। अधीक्षण अभियंता बीके सरकार का कहना है कि बकायादार उपभोक्ताओं से बकाया बिल की वसूली की जा रही है। विभाग की अलग-अलग टीम ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में लगातार पहुंच रही है। बकाया बिल जमा नहीं करने वालों के विद्युत कनेक्शन विच्छेद किए जा रहे हैं। लगातार बकायादार बकाया बिल का भुगतान कर रहे हैं।

पेड़ से टकराई बाइक, युवक की मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा थाना क्षेत्र के सुतर्रा-कसनिया मार्ग पर राइस मिल के सामने बुधवार की दोपहर लगभग 12 बजे वाहन को ओवरटेक करते समय बाइक पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। पेड़ से टकराने के बाद बाइक के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। राहगीरों की सूचना पर कटघोरा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस मृतक की पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ भी की। सड़क हादसे के दूसरे दिन भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623